❒ लखनऊ
❒ वर्ष: 22
❒ अंक : 233

RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

❒ प्रातः कालीन संस्करण ❒ शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 ❒ पृष्ठ : 08 ❒ मूल्य : 2 रुपया

नारी शक्ति को मिले पूरा अधिकार 04
वामिका गब्बी के सपोर्ट में उतरे राजपाल यादव 08

संक्षिप्त खबरें।।।

आस्ट्रिया के चांसलर 14 अप्रैल को चार दिन की भारत यात्रा पर आयेंगे

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रिया के चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर 14 से 17 अप्रैल तक चार दिन की भारत पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यात्रा में चांसलर के साथ आस्ट्रिया के अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और पर्यटन मंत्री डॉ. वोल्फगैंग हैटमैनसडॉर्फर, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक नेता भी आ रहे हैं।
यह चांसलर स्टॉकर का भारत का पहला और एशिया का पहला औपचारिक दौरा भी होगा। श्री मोदी और डॉ स्टॉकर अनेक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।वह क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे जिसमें बहुपक्षीय मंचों में सहयोग भी शामिल है। प्रधानमंत्री सम्मानित अतिथि के सम्मान में दोपहर का भोज भी आयोजित करेंगे। डॉ स्टॉकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी भेंट करेंगे। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी चांसलर स्टॉकर से मिलेंगे। भारत और ऑस्ट्रिया के बीच गर्मजोशीपूर्ण, मित्रवत और बहुआयामी संबंध हैं, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं। जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री के ऑस्ट्रिया दौरे ने दोनों देशों के समकालीन संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत किया था। चांसलर स्टॉकर का यह दौरा दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वे पारस्परिक हित के नए क्षेत्रों में साझेदारी को और गहरा तथा व्यापक करना चाहते हैं।

कांग्रेस विचार विभाग के चेयरमैन बने एचएल दुसाध

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की संस्तुति और यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय की सहमति पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दलित चिंतक एवं लेखक एचएल दुसाध को प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग का चेयरमैन नियुक्त किया है। राय ने विश्वास जताया कि एचएल दुसाध के अनुभव का लाभ प्रदेश कांग्रेस के विचार विभाग को मिलेगा और इससे पार्टी को भी मजबूती मिलेगी।

औद्योगिक इकाइयों को मिलेगा 70% एलपीजी कोटा, नए दिशा-निर्देश

लखनऊ। केन्द्र सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देश की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों के लिए बल्क नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी यानी थोक गैर-घरेलू एलपीजी के आवंटन के लिए नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। सरोजनीनगर उद्योग क्षेत्र के कारोबारियों ने बताया कि मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल की ओर बुधवार को आधिकारिक आदेश जारी किया गया है। इसके अनुसार, फार्मा, फूड, स्टील, एग्रो और पेंट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की औद्योगिक इकाइ?यों को मार्च 2026 से पहले के उनके औसत उपभोग का 70 प्रतिशत एलपीजी कोटा आवंटित किया जाएगा।

फिर बढ़ी युद्ध की आशंका

इजरायल के भीषण हमले, ईरान के आरोप और अमेरिका की सफाई से गहराया संकट

एजेंसी

वाशिंगटन/तेल अवीव/तेहरान। मध्य पूर्व में घोषित युद्धविराम की स्याही सूखी भी नहीं थी कि लेबनान में हुई भीषण बमबारी ने शांति की उम्मीदों को झकझोर कर रख दिया। इजरायल द्वारा किए गए अब तक के सबसे बड़े हमलों ने न केवल युद्धविराम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं और लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

लेबनान की राजधानी बेरूत से लेकर बेका घाटी और दक्षिणी इलाकों तक तबाही का मंजर है। लेबनान पर इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 254 लोग मारे गए और 1,165 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी अल जज़ीरा ने लेबनानी नागरिक सुरक्षा के हवाले से गुरुवार को दी। तुर्की ने लेबनान पर इजरायल के हमलों की निंदा की है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए हैं। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''हम लेबनान पर इजरायल के बढ़ते हमलों की कड़ी निंदा करते हैं जिनके परिणामस्वरूप भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। ये हमले देश में मानवीय स्थिति को और भी बदतर बना रहे हैं। अस्पताल घायलों से भरे हुए हैं, दवाइयों और रक्त की कमी हो गई है और कई स्वास्थ्य केंद्र हमलों के कारण बंद हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं। विस्थापितों में हजारों गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्हें आवश्यक चिकित्सा

❒ ईरान के तीन-सूत्री उल्लंघन के दावों पर बोले वेंस, 'हमेशा पेचीदा होते हैं युद्धविराम'

❒ लेबनान पर इजरायली हमलों में 254 लोगों की मौत, हिजबुल्लाह ने खाई जवाबी कार्रवाई की कसम

सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम समझौते की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान ने आरोप लगाया है कि समझौते के प्रमुख बिंदुओं का उल्लंघन किया गया है, जबकि अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने इसे युद्धविराम की सामान्य जटिलता बताते हुए कमतर करने की कोशिश की है। उनका कहना है कि किसी भी युद्धविराम में शुरुआती अस्थिरता स्वाभाविक होती है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। ईरानी संसद के अध्यक्ष ने साफ शब्दों में कहा है कि जब लेबनान में हमले जारी हैं, ईरान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन हो रहा है और उसके परमाणु अधिकारों को नकारा जा रहा है, तो ऐसे में किसी भी वार्ता का कोई अर्थ नहीं बचता। उन्होंने इसे तर्कहीन प्रक्रिया करार दिया है। इजरायल ने इन हमलों को हिजबुल्ला के खिलाफ जरूरी कार्रवाई बताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है और यह केवल एक ङ्मअस्थायी विरामङ्क है। उनके इस बयान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले दिनों में संघर्ष और तेज हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकट केवल सैन्य टकराव नहीं, बल्कि कूटनीतिक असफलता का भी परिणाम है। युद्धविराम में लेबनान को शामिल न किए जाने को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति ने तनाव को और बढ़ा दिया है। अमेरिका का कहना है कि लेबनान इस समझौते का हिस्सा नहीं था, जबकि ईरान इसे व्यापक शांति प्रक्रिया का हिस्सा मान रहा था। इस बीच, पाकिस्तान में प्रस्तावित शांति वार्ता पर भी अनिश्चितता छा गई है। ईरानी प्रतिनिधिमंडल के दौरे से जुड़ी जानकारी अचानक हटाए जाने से संकेत मिल रहे हैं कि दोनों पक्षों के बीच भरोसे का संकट गहरा गया है। कूटनीतिक प्रयासों के कमजोर पड़ने से स्थिति और विस्फोटक हो सकती है। शेष पेज 02 पर

समझौता होने तक ईरान के आसपास तैनात रहेंगे अमेरिकी जहाज़, विमान : ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ अंतिम समझौते के पूरी तरह लागू होने तक उनके युद्धपोत, विमान और सैन्य बल ईरान के आसपास तैनात रहेंगे। श्री ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर कहा, '' अमेरिका के सभी जहाज, विमान और सैन्य कर्मी, अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और अन्य सभी चीजें ईरान में और उसके आसपास तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि वास्तविक समझौते का पूरी तरह से पालन नहीं हो जाता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समझौता लागू नहीं हुआ, तो संघर्ष पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर और अधिक ताकतवर'' रूप ले सकता है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अमेरिका लंबे समय से इस बात पर कायम है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा और होर्मुज जलडमरूमध्य खुला तथा सुरक्षित रहेगा। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिकी सेना हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और आगे की कार्रवाई के लिए पूरी तरह से सतर्क है।

कई मंदिरों में शराब चढ़ती है, क्या कोर्ट रोकेगा!

एजेंसी

❒ सबरीमाला बहस में केंद्र बोला– हस्तक्षेप सीमित हो

❒ सुप्रीम कोर्ट में धार्मिक प्रथाओं बनाम अधिकारों पर बहस, आस्था, महिलाओं के अधिकार और न्यायिक दखल की सीमा तय करने में जुटी 9 जजों की पीठ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मामले की सुनवाई के दौरान गुरुवार को धार्मिक परंपराओं, महिलाओं के अधिकारों और न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाओं पर गहन बहस हुई। नौ जजों की संविधान पीठ इस मामले में लगातार तीसरे दिन सुनवाई कर रही है, जिसमें यह तय किया जा रहा है कि धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के अधिकार के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बहस के दौरान एक अहम उदाहरण देते हुए कहा कि देश के कई मंदिरों में प्रसाद के रूप में शराब भी चढ़ाई जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भविष्य में अदालत ऐसे धार्मिक रीति-रिवाजों पर भी रोक लगाएगी? उनका तर्क था कि धार्मिक प्रथाओं में हस्तक्षेप करने से पहले उनकी प्रकृति और परंपरा को समझना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार शाकाहारी मंदिरों में कोई व्यक्ति मांसाहारी भोजन की मांग नहीं कर सकता, उसी तरह किसी विशेष सम्प्रदाय की धार्मिक प्रथाओं में बाहरी व्यक्ति अपनी पसंद या अधिकार के नाम पर बदलाव की मांग नहीं कर सकता। यह उस समुदाय के श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल होगा। इससे पहले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपनी दलीलों में कहा कि सबरीमाला पर पहले दिया गया फैसला एक गलत धारणा पर आधारित था, जिसमें यह माना गया कि पुरुषों को श्रेष्ठ और महिलाओं को निम्न समझा जाता है। उन्होंने कहा कि देश में कई ऐसे मंदिर हैं

जहां केवल महिलाओं को ही प्रवेश मिलता है, कहीं अविवाहित पुरुषों का प्रवेश वर्जित है, और कहीं विवाहित पुरुषों को महिलाओं के वेश में ही प्रवेश करना पड़ता है। ऐसे में किसी एक परंपरा को भेदभावपूर्ण मान लेना उचित नहीं है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि सबरीमाला का मुद्दा 'पुरुष प्रधान पूजा' का नहीं है, बल्कि यह धार्मिक परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन का मामला है। सरकार ने अपनी दलीलों को संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 तक सीमित रखते हुए कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार पूर्ण नहीं है, लेकिन इसमें न्यायिक हस्तक्षेप भी सीमित होना चाहिए। एएसजी नटराज ने संविधान की व्याख्या करते हुए बताया कि अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, जबकि राज्य को इसे नियंत्रित करने का अधिकार भी शेष पेज 02 पर

टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान : पीएम

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पूर्वी मेदिनीपुर के हल्दिया में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य के लोगों के लिए छह गारंटियों का एलान किया।

श्री मोदी द्वारा घोषित इन गारंटियों में शासन-प्रशासन में लोगों का भरोसा फिर से कायम करना, जवाबदेही सुनिश्चित करना, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और सातवें वेतन आयोग को लागू करना शामिल है।

प्रधानमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए कहा, '' पश्चिम बंगाल में बदलाव की शुरुआत तब हुई, जब भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में सुश्री ममता बनर्जी को हराया। इस चुनाव में वह भवानीपुर में सुश्री ममता को हराएंगे, और भाजपा राज्य की बाकी सभी सीटों पर तृणमूल कांग्रेस को शिकस्त देगी।''

गौरतलब है कि पूर्वी मेदिनीपुर जिले में विधानसभा की 16 सीटें हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत 'भारत माता की जय' के नारों के साथ की और सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा, '' तृणमूल की यह बेरहम सरकार अब जाने वाली है। उन्होंने तृणमूल पर शासन-प्रशासन के हर स्तर पर डर फैलाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, तृणमूल ने लोगों और सिस्टम के अंदर डर फैला दिया है। हम इस डर को भरोसे में बदल देंगे।'' शेष पेज 02 पर

सीबीएसई ने तीसरी भाषा शुरू करने के लिए स्कूलों को दिया सात दिन का समय

नयी दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने गुरुवार को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा है कि बोर्ड से जुड़े सभी विद्यालयों में 2026-27 के अकादमिक सत्र से छठी कक्षा से तीसरी भाषा (आर3) शुरू करना अनिवार्य है। बोर्ड ने इस कदम को ज़रूरी और अनिवार्य बताते हुए कहा कि भले ही पाठ्य पुस्तक उपलब्ध न हों, सभी विद्यालयों को इसे तुरंत लागू करना शुरू कर देना चाहिए। सीबीएसई ने कहा, ''हमें पता चला है कि कई स्कूलों ने पहले ही आर3 को लागू करना शुरू कर दिया है... बाकी सभी स्कूलों को निर्देश दिया जाता है कि वे इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से सात दिनों के भीतर इसका पालन सुनिश्चित करें। बोर्ड ने विद्यालयों से कहा है कि वे आधिकारिक पाठ्य पुस्तक आने तक, स्थानीय रूप से उपलब्ध किताबों और अध्ययन सामग्री का इस्तेमाल करके तीसरी भाषा पढ़ाना तुरंत शुरू कर दें। अधिसूचना में स्कूल अधिकारियों को बताया गया है कि आर3 के लिए पाठ्य पुस्तक जल्द ही उपलब्ध करा दी जाएंगी।

यूपी में 12 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, कई जिलों में नई तैनाती

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 12 अधिकारियों का तबादला कर दिया।

इस संबंध में पुलिस मुख्यालय की तरफ से जारी आदेश के तहत विभिन्न जनपदों और पुलिस कमिश्नरेट में तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी सूची के अनुसार, आईपीएस अधिकारी सागर जैन को सहारनपुर (ग्रामीण) से प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। मनोज कुमार रावत को गोंडा (पूर्वी) से संभल (दक्षिणी) में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर भेजा गया है। वहीं आयुष विक्रम सिंह को मेरठ (नगर) से बहराइच (नगर) में नई तैनाती दी गई है।

इसी क्रम में विनायक गोपाल भोसले को सीतापुर से मेरठ (नगर) और अंतरिक्श जैन को मेरठ से बुलंदशहर (ग्रामीण) में अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। सुश्री

दिविकल जैन को गौतमबुद्धनगर से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट तथा सुश्री लिपि नागायच को गाजियाबाद से वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर नियुक्त किया गया है। राजकुमार मीणा को प्रयागराज से मिर्ज़ापुर (नक्सल) और कुशभ रूनवाल को लखनऊ से सोनभद्र (नक्सल) में अपर पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनाती मिली है। आलोक कुमार को संभल से प्रतापगढ़ (नगर पूर्वी) तथा डॉ. ईशान सोनी को वाराणसी से जालौन भेजा गया है। इसके अलावा मयंक पाठक को अलीगढ़ से सहारनपुर (ग्रामीण) में अपर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

यूपी में बड़े पैमाने पर एएसपी व डीएसपी के तबादले, जिलों में मिली नई तैनाती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को बड़े स्तर पर पुलिस विभाग में फ़ेरबदल करते हुए कई अधिकारियों के तबादले किए हैं। जारी आदेश के तहत विभिन्न जिलों, पुलिस कमिश्नरेट और विशेष इकाइयों में तैनात अपर पुलिस अधीक्षकों (एएसपी) व पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी) को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पुलिस मुख्यालय की तरफ से जारी सूची के अनुसार, सतीश चंद्र शुक्ला को भदोही से चंदौली, प्रेमचंद को उन्नाव से राज्य मानवाधिकार आयोग लखनऊ, तथा अभिषेक प्रताप अजय को कन्नौज से बुलंदशहर में अपर पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया है। इसके अलावा राजेन्द्र कुमार मिश्र को मेरठ से गोरखपुर शेष पेज 02 पर

असम, केरलम, और पुडुचेरी में बम्पर मतदान

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरुवार को असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान में जोरदार रुझान देखा गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पुडुचेरी में सबसे अधिक 86.92 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसके बाद असम में 84.42 प्रतिशत और केरल में 75.01 प्रतिशत मतदान होने की खबर है। हालांकि यह अंतिम आंकड़ा नहीं है।

असम में सभी 126 विधानसभा सीटों पर एक चरण में मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक अनुमानित 84.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो 2021 के विधानसभा चुनावों के 82.04 प्रतिशत से अधिक है। प्रदेश में कड़ी टक्कर देखी जा रही है। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहने की कोशिश कर रहा है, जबकि कांग्रेस एक दशक बाद

सत्ता में वापसी का लक्ष्य लेकर चुनाव लड़ रही है। असम के दलगांव विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 94.57 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि अमरी क्षेत्र में सबसे कम 70.40 प्रतिशत मतदान रहा। इस चुनाव में कुल 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य के 35 जिलों में फैले 31,490 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान चला। केरल में सभी 140 विधानसभा सीटों के लिए मतदान शाम 6 बजे समाप्त हुआ। हालांकि, कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रहीं। निर्धारित समय के बाद भी कतार में खड़े शेष पेज 02 पर

पॉवरलूम बुनकरों के बिजली बिल में कमी लाने को बनाएं व्यवहारिक योजना : मुख्यमंत्री

बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करना प्राथमिकता: योगी

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि बुनकर केवल परम्परा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर सम्भव है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में परिणामोन्मुख, क्लस्टर-आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर आहूत एक बैठक में हथकरघा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश में लगभग 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में छठवें स्थान पर है। कालीन, दरी एवं मैट के उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिंग और ब्लैंकेट जैसे उत्पादों में भी राज्य की मजबूत उपस्थिति है। वर्ष 2024-25 में देश का कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रुपये रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश का योगदान 109.40 करोड़ रुपये (लगभग 9.27 प्रतिशत) रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके। यह क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर पूर्ण वैल्यू चेन के रूप में विकसित हों, जहां डिजाइन, ब्राण्डिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच एक ही ढांचे में सुनिश्चित की जाये। बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी0पी0आर0) तैयार

करने, इन गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो। डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही सम्भव है। मुख्यमंत्री ने 'डिजाइनर-कम-मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव' तथा 'डिजाइन हाउस/सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी/एक्सपोर्ट हाउस' जैसे संस्थागत तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश देते हुये कहा कि इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, बड़े बाजारों तक पहुंच और बुनकरों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और ब्राण्डिंग के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाय, ताकि बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पावरलूम बुनकरों के विद्युत बिल में कमी लाने के लिए बेहतर प्रयासों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस सम्बन्ध में हथकरघा विभाग और पावर कॉर्पोरेशन मिलकर कार्ययोजना तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे बुनकरों की विद्युत लागत में कमी आएगी और उन्हें दीर्घकालिक राहत मिलेगी। उन्होंने इस दिशा में प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का बुनकर समुदाय राज्य की समृद्ध परम्परा, रोजगार और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए ऐसी संतुलित, पारदर्शी और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए, जिससे बुनकरों को वास्तविक राहत, उद्योग को नई गति मिले और प्रदेश की पारम्परिक बुनकरी को सशक्त शेष पेज 02 पर

स्कूल चलो अभियान : दुर्गापुर में निकली जागरूकता रैली

प्रभात समय संवाददाता

बाबागंज। नवाबगंज विकासखंड क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय दुर्गापुर में गुरुवार को 'स्कूल चलो अभियान' के तहत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और छात्र-छात्राओं ने मिलकर पूरे गांव में भ्रमण किया। इस जागरूकता रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यालय में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना व पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ना है। रैली में सभी बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया। 'हर बच्चा स्कूल जाएगा' और 'कोई न छूटे अबकी बार शिक्षा है सबका अधिकार' जैसे स्लोगन से गांव का माहौल गूंज उठा। प्रधानाध्यापक सत्यभानु ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों कों नियमित रूप से स्कूल भेजें। जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।इस मौके पर शिक्षक विनोद गिरि, पवन गुप्ता, नेहा त्रिपाठी आदि उपस्थिति रहे।

एसकेएस कालेज में नर्सिंग छात्रों का शत-प्रतिशत परिणाम

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय से संबद्ध डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ला इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज के बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के परिणाम में इस वर्ष संस्थान ने शत-प्रतिशत सफलता हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। परीक्षा में सम्मिलित सभी 39 छात्र-छात्राएं सफल घोषित हुए, जिससे पूरे संस्थान में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया। घोषित परिणाम में आयुषी मिश्रा ने 80.33% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, निशा बाल्मीकि ने 78.66% अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि शुभा भारती ने 78% अंक अर्जित कर तृतीय स्थान पर अपनी जगह बनाई और रोशनी, साक्षी अग्रवाल, सौम्या, सौम्या शुक्ला, सौरभ वर्मा, शाहरीन खान, शिखा रस्तोगी, शिवम विश्वकर्मा, श्वेता वर्मा, सृष्टि श्रीवास्तव, वैशाली अवस्थी, वार्तिका पांडेय और विपिन कुमार सहित सभी छात्र-छात्राओं ने सफलता अर्जित कर संस्थान का नाम रोशन किया। इस शानदार उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. सर्वेश शुक्ला, डायरेक्टर पल्लवी शुक्ला, मैनेजर आस्था शुक्ला, प्रशासनिक प्रबंधक विनोद त्रिपाठी, नर्सिंग प्राचार्या डॉ. के. रोजा रानी, एकाउंट मैनेजर नीलेश तिवारी, एसोसिएट प्रो.फ़ेसर संगीता पाल,धर्मेंद्र तिवारी सहित समस्त फैकल्टी ने विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।संस्थान प्रबंधन ने इसे छात्रों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम बताते हुए आशा व्यक्त की कि विद्यार्थी आगे भी सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

श्रद्धा सिंह ने उत्तीर्ण की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा

प्रभात समय संवाददाता

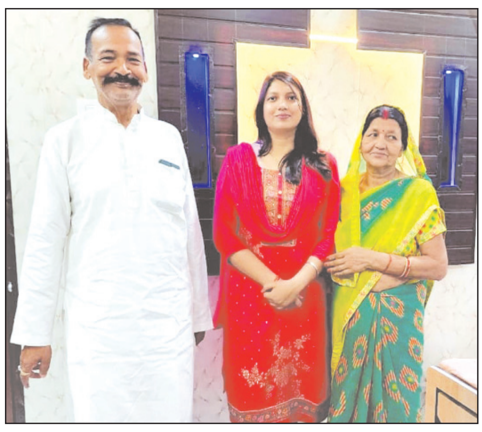

कैसरगंज (बहराइच)। कैसरगंज क्षेत्र की श्रद्धा सिंह ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण की है। इस उपलब्धि से उन्होंने अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है।ग्राम पबनी निवासी श्रद्धा सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता सत्य शरण सिंह की पुत्री हैं।श्रद्धा सिंह शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। उन्होंने कानपुर यूनिवर्सिटी से एमए (इतिहास) में गोल्ड मेडल प्राप्त किया था।वर्तमान में श्रद्धा सिंह संग्राम पुरवा प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने नौकरी के साथ-साथ नेट परीक्षा की तैयारी की और उसमें सफलता हासिल की।उनकी सफलता की खबर मिलते ही कैसरगंज क्षेत्र में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के बुद्धिजीवियों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।श्रद्धा सिंह की यह सफलता क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

विकसित भारत के लिये कार्य कर रही भाजपा : पवन मिश्र

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर चलाये जा रहे गांव/बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत भाजपा किसान मोर्चा कार्यकर्ताओ ने देवरिया विधानसभा के बुथ संख्या- 237 पर घर- घर जाकर सरकार की उपलब्धियों का पत्रक वितरित कर उत्तरप्रदेश के विकास और विरासत पर आधारित कैलेंडर वितरित किया।

इस अवसर पर उपस्थित किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि केंद्र की मोदी और उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने किसानों और आमजन के कल्याण के दर्जनों योजनाओं का संचालन किया है, जिसका लाभ उठाकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग लाभान्वित हो रहे है।

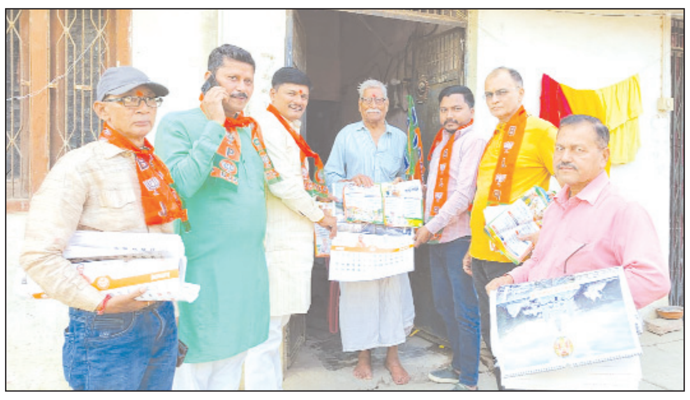

उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का आमजन को जानकारी देने के लिए भाजपा द्वारा व्यापक जनसम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है,जिसके माध्यम से कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियों का पत्रक वितरित कर रहे है। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व नगर महामंत्री भाजपा दुर्गेश नाथ त्रिपाठी, किसान मोर्चा नगर अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र, सभासद प्रतिनिधि अमन शुक्ला, अलका प्रजापति, डॉ विनोद पाण्डेय, वीरेंद्र पाठक, विजय कुशवाहा, सुनील कुशवाहा, सत्यम उपस्थित रहे।

प्रधानों ने पंचायत चुनाव, मनरेगा भुगतान और कार्यकाल बढ़ाने को सौंपा ज्ञापन

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। बहराइच के फखरपुर ब्लॉक में पंचायत विकास मंच के बैनर तले प्रधानों ने विकास खंड अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर मनरेगा भुगतान और चुनाव कार्यकाल बढ़ाने की मांग उठाई जोरदार विकास खंड फखरपुर में पंचायत विकास मंच के नेतृत्व में ब्लॉक के प्रधानों ने विकास खंड अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रधानों ने पंचायत चुनाव समय से न होने की स्थिति में वर्तमान प्रधानों को ही प्रशासक बनाए जाने तथा मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों का बकाया भुगतान कार्यकाल समाप्त होने से पहले कराने की प्रमुख मांग उठाई। कार्यक्रम के संयोजक सूरज शुक्ला, डॉ. श्याम चौधरी,राम सुन्दर पांडे, सूर्य प्रकाश सिंह (बुल्लू), बाराती लाल वर्मा राज कुमार राव,मंगल दास,रंजीत दास, राम छबीले निषाद, राम छबीले यादव, कोमल प्रधान,अफ्फान खान पप्पू सिंह,पिंटू सिंह, मनीष सिंह अजय शुक्ला सलमान खान फारूक खान ज्ञानचंद्र वर्मा सहित अन्य प्रधानों ने बताया कि मनरेगा 2005 अधिनियम के अंतर्गत पूर्व में कराए गए कार्यों का भुगतान लंबे समय से लंबित है। इससे श्रमांश और सामग्री मद में करोड़ों रुपये बकाया हो गए हैं, जिसके चलते प्रधानों पर सप्लाई करने वाले फर्मों का लगातार दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 26 मई 2026 को प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, ऐसे में यदि समय रहते भुगतान नहीं हुआ तो प्रधानों और संबंधित फर्मों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि प्रदेश की पंचायतों का कार्यकाल 26 मई 2026 और 19 जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में समय पर चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण प्रतीत हो रहा है। इसके पीछे मतदाता सूची के पुनरीक्षण में देरी, समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन न होना तथा आरक्षण के लिए आवश्यक 'ट्रिपल टेस्ट' प्रक्रिया का अधूरा रहना प्रमुख कारण बताए गए हैं। संगठन ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि स्थानीय निकायों में आरक्षण लागू करने के लिए ट्रिपल टेस्ट अनिवार्य है और निर्वाचित संस्थाओं के स्थान पर प्रशासकों की नियुक्ति केवल अस्थायी स्थिति में ही उचित मानी जाती है। उन्होंने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां ऐसी परिस्थितियों में निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही कार्यभार जारी रखने दिया गया, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था बनी रही। पंचायत विकास मंच ने सरकार से मांग की है कि यदि समय पर पंचायत चुनाव संभव न हो, तो वर्तमान प्रतिनिधियों का कार्यकाल बढ़ाया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि बाहरी प्रशासकों की नियुक्ति लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत होगी।

नियमित व्यायाम से कम हो रही हाथीपांव की सूजन

फाइलेरिया मरीजों को दिया गया एमएमडीपी प्रशिक्षण

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पथरदेवा ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेमरी सम्बंधित आंगनबाड़ी केंद्र में गुरुवार को पीएसपी (पेशेंट स्टेक होल्डर प्लेटफार्म) के सहयोग से फाइलेरिया मरीजों को रोग प्रबंधन के लिए एमएमडीपी प्रशिक्षण दिया गया। 20 मरीजों को प्रभावित अंग की साफ सफाई के लिए एमएमडीपी किट का वितरण किया गया, जिससे वह घर पर ही अपने घावों और पैरों की बेहतर देखभाल कर सकें। इस दौरान पीएसपी सदस्य सीएचओ ने डेमो देकर प्रभावित अंग की साफ सफाई की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक नवीन प्रकाश ने कहा कि नियमित सफाई से फाइलेरिया प्रभावित अंग की सही देखभाल, साफ सफाई और व्यायाम से हाथीपांव की सूजन में कमी आई है। इसके साथ ही फाइलेरिया के अटैक भी कम हुए हैं। उन्होंने बीमारी की गंभीरता के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि फाइलेरिया

बीमारी क्यूलेक्स मच्छर फाइलेरिया संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो उसे भी संक्रमित कर देता, लेकिन संक्रमण के लक्षण पांच से 15 वर्ष में उभरकर सामने आते हैं।

इससे व्यक्ति के हाथ-पैर में सूजन की शिकायत होती है या फिर अंडकोष में सूजन आ जाती है। महिलाओं को स्तन के आकार में परिवर्तन हो सकता है। शुरुआत में रोग की पहचान होने पर इसे रोका जा सकता है। इस बीमारी से साल में एक बार लगातार पांच साल दवा के सेवन से बचा जा सकता है। पीएसपी सदस्य सीएचओ अनुराधा ने फाइलेरिया मरीजों को हाथी पांव की नियमित सफाई, सूजन कम करने के उपाय, और संक्रमण से बचाव की जानकारी दी। बताया कि समय पर देखभाल से इस बीमारी के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन रोकथाम योग्य बीमारी है। मरीजों को लगातार साफ-सफाई और उपचार की आवश्यकता होती है। सीएचओ ने किट में मौजूद सामग्री जैसे साबुन, टावेल, एंटीसेप्टिक व अन्य उपकरणों के उपयोग की विधि करके दिखाया व मरीजों को समझाया। फाइलेरिया मरीज 50 वर्षीय फाइलेरिया मरीज धर्मेंद्र ने बताया कि एक वर्ष से पीएसपी से जुड़े हैं । बताए गए साफ सफाई और व्यायाम को नियमित रुप से कराने से करीब दस माह से फाइलेरिया का अटैक नहीं आया और सूजन में भी कमी आई है।कार्यक्रम में बीपीएम नागेद्र मल्ल, पीएसपी सदस्य एएनएम प्रीति, डीसीजी सदस्य वालेंटियर राजू श्रीवास्तव, बीएचडब्ल्यू राकेश, सहयोगी संस्था सीफार के जिला प्रतिनिधि सहित आशा आंगनबाडी, शिक्षक, फाइलेरिया मरीज सहित ग्रामीण मौजूद रहे। ।

चोरी के चार अभियुक्त गिरफ्तार, सामान बरामद

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनन्द कुमार पाण्डेय के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली व एन्टी थेप्ट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 09 अप्रैल 2026 की प्रातःकाल मुखबिर की सूचना पर कसया ढाले के दाहिने माल गोदाम के पास से 04 अभियुक्तों नाम पता क्रमशः 1.प्रशान्त कुमार उर्फ सन्नी पुत्र विष्णु दयाल प्रसाद, निवासी परसिया अहिर थाना कोतवाली , 2.बृजमोहन प्रसाद पुत्र ओम प्रकाश प्रसाद निवासी जिरासो थाना भाटपाररानी जनपद देवरिया, 3.सुधीर सिंह उर्फ गोल्डेन पुत्र तेज बहादुर सिंह निवासी कस्बा लार बउली थाना लार व 4.रौनक शाह पुत्र स्व0 हल्लू शाह साकिन वार्ड नम्बर 10 अम्बेडकर नगर हाटा थाना हाटा जनपद कुशीनगर को चोरी की दो ई-रिक्शा (मय 08 अदद बैटरी) तथा चोरी के 04 इलेक्ट्रानिक मोटर, 04 कन्ट्रोलर, 07 चार्जर, 31 चोरी की बैटरी सीरियल नम्बर खुरचा हुआ, के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली पर मु0अ0सं0-228/2026 धारा 317(2), 317(5), 318(4), 3(5) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत करते हुए नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

पेज एक का शेष...

फिर बढ़ी युद्ध...

मानवीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि हिंसा इसी तरह जारी रही, तो यह संकट और भयावह रूप ले सकता है। पहले ही लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं और राहत कार्यों में भारी कठिनाइयां आ रही हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सभी पक्षों से तत्काल युद्धविराम का सम्मान करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। यह पूरा घटनाक्रम एक बड़े सवाल को जन्म देता है–क्या युद्धविराम केवल कागजी समझौता बनकर रह गया है? जब एक तरफ बातचीत की बात होती है और दूसरी तरफ बमबारी जारी रहती है, तो शांति की उम्मीदें कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। कुल मिलाकर, मध्य पूर्व इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां हर फैसला भविष्य की दिशा तय करेगा। यदि कूटनीति विफल होती है, तो यह संघर्ष एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बदल सकता है। फिलहाल, सबसे बड़ी चिंता उन आम लोगों की है, जो इस राजनीतिक और सैन्य टकराव की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं।

कई मंदिरों में शराब...

प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 25 और 26 को एक साथ समझना जरूरी है, ताकि व्यक्तिगत अधिकार और धार्मिक संस्थाओं के अधिकारों के बीच संतुलन बनाया जा सके। सुनवाई के दौरान धार्मिक सम्प्रदाय की परिभाषा पर भी व्यापक चर्चा हुई। केंद्र ने तर्क दिया कि डिनॉमिनेशन को पश्चिमी संदर्भ में नहीं, बल्कि भारतीय संदर्भ में सम्प्रदाय के रूप में समझना चाहिए। उनके अनुसार, सम्प्रदाय का अर्थ किसी औपचारिक संगठन से नहीं, बल्कि समान आस्था और विश्वास रखने वाले लोगों के समूह से है। पीठ की सदस्य न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि सम्प्रदाय आमतौर पर प्राचीन होते हैं, जबकि न्यायमूर्ति बागची ने पूछा कि क्या नए सम्प्रदाय भी बन सकते हैं। इस पर केंद्र ने जवाब दिया कि कोई भी समूह, जिसकी आस्था समान हो, उसे सम्प्रदाय माना जा सकता है, चाहे वह औपचारिक रूप से संगठित हो या नहीं। सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी उठा कि क्या कोई नास्तिक व्यक्ति किसी धार्मिक प्रथा को चुनौती दे सकता है। केंद्र ने कहा कि नास्तिक को असहमति का अधिकार तो है, लेकिन वह धार्मिक प्रथाओं के निर्धारण में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। इस पर अदालत ने सवाल किया कि क्या आस्तिकों के सामूहिक अधिकार, नास्तिक के अधिकारों से ऊपर हैं? बहुलतावादी समाज की अवधारणा पर चर्चा करते हुए केंद्र ने कहा कि भारत में धार्मिक प्रथाएं विविधता पर आधारित हैं और किसी एक प्रथा को ल्लअनिवार्यङ्क नहीं कहा जा सकता। हिंदू धर्म की विशेषता उसकी बहुलता है, जहां मोक्ष प्राप्ति के कई मार्ग हैं। राज्य और न्यायपालिका की भूमिका पर केंद्र ने कहा कि जब तक कोई धार्मिक प्रथा किसी पर थोपे नहीं जाती, तब तक उसमें हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। हालांकि, संविधान के तहत सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और सामाजिक सुधार के आधार पर राज्य हस्तक्षेप कर सकता है, जिसकी वैधता का अंतिम निर्णय अदालत ही करती है। पूरी सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि सबरीमाला मामला केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश में धार्मिक स्वतंत्रता, लैंगिक समानता और न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा तय करने वाला एक व्यापक संवैधानिक प्रश्न बन चुका है। आने वाले दिनों में सुप्रीम कोर्ट का फैसला यह तय करेगा कि आस्था और अधिकारों के बीच संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाएगा।

टीएमसी राज...

अपनी छह गारंटियों को गिनाते हुए श्री मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह होगी, अपराध और दुष्कर्म के सभी मामलों की फाइलें फिर से खोलेगी और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा, '' भ्रष्टाचार में शामिल सभी लोगों को जेल भेजा जाएगा। कानून अपना काम करेगा। मोदी लोगों के पैसे को लूटने नहीं देंगे। उन्होंने नागरिकता और कल्याण से जुड़ी चिंताओं पर भी बात की और कहा, '' कानूनन हकदार लोगों को संविधान के अनुसार सभी फायदे मिलेंगे, लेकिन घुसपैठियों को यहां रहने की इजाज़त नहीं दी जाएगी।'' उन्होंने सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कहा, ''आपको तृणमूल से डरने की ज़रूरत नहीं है। मोदी आपके साथ खड़े रहेंगे और हम राज्य में सातवां वेतन आयोग लागू करेंगे। उन्होंने कहा, '' सबका साथ, सबका विकास (चौतरफ़ा विकास) और लुटेरों का, सबका हिसाब होगा (उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा)।'' खराब मौसम की वजह से तय समय से करीब दो घंटे की देरी से प्रधानमंत्री की रैली पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे शुरू हुई। इसकी शुरुआत भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के शुरुआती भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 49 प्रतिशत वोट शेयर के साथ इस जिले की 16 विधानसभा क्षेत्रों में से 15 सीटों पर जीत हासिल की थीं। उन्होंने इस बार 55 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 16 में से 16 सीटें जीतने का वादा किया। श्री अधिकारी ने पिछली राजनीतिक लड़ाइयों से तुलना करते हुए कहा, '' नंदीग्राम में जो हुआ, वही भवानीपुर में और पूरे राज्य में होगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल शासन के तहत बंगाल का विकास रुक गया है। उन्होंने दावा किया कि हल्दिया में उद्योग बंद हो रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार, घुसपैठ और 'सिंडिकेट राज' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

यूपी में बड़े पैमाने...

पीएसी, राजेश कुमार श्रीवास्तव को सीतापुर से मेरठ, विवेक त्रिपाठी को आजमगढ़ से सीतापुर तथा पंकज कुमार श्रीवास्तव को बरेली से आजमगढ़ भेजा गया है। विजय द्विवेदी को बदायूं से प्रयागराज पीएसी और अभिषेक कुमार सिंह को लखनऊ से बदायूं में नई जिम्मेदारी दी गई है। अन्य तबादलों में शंकर प्रसाद को बुलंदशहर से मुरादाबाद पुलिस अकादमी, पियूष कान्त राय को आगरा से चित्रकूट, सत्यपाल सिंह को चित्रकूट से मुरादाबाद पीटीसी, आलोक प्रसाद को सीतापुर से कानपुर देहात और अरुण कुमार सिंह को फतेहगढ़ से यातायात निदेशालय लखनऊ भेजा गया है। वहीं, नीरज कुमार सिंह को आगरा से फतेहगढ़, राहुल मित्तल को मैनपुरी से तकनीकी सेवाएं लखनऊ, अभिषेक तिवारी को मेरठ से मैनपुरी तथा महेन्द्र पाल सिंह को फतेहपुर से सीबीसीआईडी लखनऊ में तैनाती दी गई है। इसके अतिरिक्त ज्ञान प्रकाश राय को गाजियाबाद से फतेहपुर, अशोक कुमार सिंह को बहराइच से लखनऊ मुख्यालय, संजीव कुमार सिन्हा को रायबरेली से पुलिस मुख्यालय लखनऊ और आलोक सिंह-क्रक्र को प्रयागराज से रायबरेली भेजा गया है।

असम, केरलम...

मतदाताओं को टोकन जारी कर उन्हें वोट डालने की अनुमति दी गई। शाम 5 बजे तक केरल में 75.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो 2021 के 74.06 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। सभी मतदाताओं के वोट डालने के बाद अंतिम मतदान प्रतिशत जारी किया जाएगा। वहीं, पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश में 30 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान शाम 6 बजे समाप्त हुआ। समय सीमा से पहले पहुंचे मतदाताओं को कतार में इंतजार कर वोट डालने की अनुमति दी गई। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक यहां मतदान प्रतिशत 86 प्रतिशत से अधिक रहा। एनडीए पुडुचेरी में सत्ता बरकरार रखने का प्रयास कर रहा है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन स्थानीय स्वायत्तता और प्रशासनिक मुद्दों को लेकर एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता से बाहर करने की कोशिश में जुटा है।

बुनकरों की आय, सम्मान...

आधार प्राप्त हो सके। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एकेटीयू एवं सीमेंस ईडीए के बीच हुआ एमओयू

वीएलएसआई व सेमीकंडक्टर उद्योगों के लिए तैयार होंगे छात्र

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के छात्र तेजी से उभरती वीएलएसआई और सेमीकंडक्टर उद्योगों के लिए तैयार होंगे। इस तकनीकी में छात्रों को सॉफ्टवेयर एवं ऑटोमेशन के क्षेत्र में अग्रणी जर्मन कंपनी सिमेंस प्रशिक्षित करेगी। इसके लिए राजभवन में गुरुवार को एकेटीयू एवं सीमेंस ईडीए कंपनी के बीच एमओयू किया गया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में समझौता पत्र का आदान-प्रदान किया गया।

एमओयू पर हस्ताक्षर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी केशव सिंह एवं सीमेंस के वाइस प्रेसिडेंट एवं कंट्री मैनेजर रूचिर दीक्षित ने हस्ताक्षर किया। इस एमओयू के तहत दोनों संस्थाएं वीएलएसआई एवं सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन आटोमेशन (ईडीए), वेरिफिकेशन तथा सिमुलेशन जैसे उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना करेंगे। जिसका उद्देश्य शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को सुदृढ्ढ बनाने स्टार्टअप्स को विकसित तथा शिक्षकों की विशेषता को विकसित करना एवं शोध कायों में सहयोग प्रदान करना होगा। यह सहयोग अकादमिक जगत एवं उद्योग के बीच की दूरी को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों अनुसंधान तथा प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त होंगे जो उन्हें सेमीकंडक्टर परितंत्र की आवश्यकताओं के अनुरुप दक्ष बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इस समझौते के तहत इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन आटोमेशन (ईडीए) के क्षेत्र में विश्वविद्यालय से संबद्ध लगभग 300 संस्थाओं को सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने से लेकर स्टार्टअप्स, शैक्षणिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित विकसित एवं समृद्ध करना होगा।

इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सात सॉफ्टवेयर होंगे। जिसमें डिजाइन वेरिफिकेशन बीएनडी एसडब्ल्यू, आईसी नैनोमीटर डिजाइन बीएनडी एसडब्ल्यू, पीसीबी डिजाइन बंडल एस डब्ल्यू, क्यूस्टा एडवांस्ड फॉरमल बीएनडी एस डब्ल्यू, वलर पीसीबी डिजाइन वेरीफ बीएनडी, एपरिसा पी एंड आर प्लेफॉर्म बीएनडी एस डब्ल्यू और थ्री डी आईसी डिजाइन बीएनडी एस डब्ल्यू है।

□ छात्रों को सॉफ्टवेयर व ऑटोमेशन के क्षेत्र में अग्रणी जर्मन कंपनी सिमेंस करेगी प्रशिक्षित

सिमेंस विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों में अध्ययनरत बीटेक एवं एमटेक छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीकी मंच देगा, जो उन्हें आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन और संमीकइक्टर इंडस्ट्री के लिए तैयार करेगा। इसके माध्यम में छात्र वीएलएसआई डिजाइन, सर्किट सिमुलेशन और पीसीबी डिजाइन जैसे उन्नत कौशल सीखेंगे। यें टूल्स छात्रों को थ्योरी के साथ साथ प्रैक्टिकल ज्ञान भी देते हैं। जिससे वे वास्तविक प्रोजेक्ट्स पर काम कर पाते हैं और उनकी तकनीकी समझ बढ़ती है। इसके अलावा सिमेंस ईडीए छात्रों को रिसर्च इटर्नशिप और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करेगा। विशेष रूप से एमटेक छात्रों के लिए यह रिसर्च और इनोवेशन में सहायक है। जैसे लो पावर चिप डिजाइन और नई तकनीकों का विकास।

यह कपनी न केवल छात्रों के अकादमिक ज्ञान को बढ़ायेगी बल्कि इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित करने में अहम भूमिका निभाने में सहायक होगी। एमओयू के दौरान प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा डॉ. एमकेएस सुंदरम, प्रतिकुलपति प्रो. राजीव कुमार, कुलसचिव रीना सिंह, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों एवं संस्थानों के निदेशक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मां ने बेटे की हत्या का आरोप बहू और ससुरालीजनों पर लगाया

प्रभात समय संवाददाता

माल, लखनऊ। थाना क्षेत्र के रामनगर गांव निवासी महिला ने बंथरा थाने में लिखित शिकायत देकर बहू और ससुरालीजनों पर बेटे की हत्या कर फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। बताते चलें कि माल थाना क्षेत्र के रामनगर गांव निवासी कलावती के बेटे का विवाह बंथरा थाना अंतर्गत अमावा गांव निवासी रामकुमार की पुत्री सलोनी के साथ दस वर्ष पूर्व हुआ था। कलावती का आरोप है कि बहू सलोनी पहले से ही भली प्रकार नहीं रहती थी। अक्सर माइके अमावा चली जाती थी। गत बुधवार को मेरा बेटा निर्मल बहू सलोनी को लेने बंथरा अमावा गया था। आज गुरुवार को सूचना मिली कि निर्मल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जब मौके पर मैं अपने परिवार के साथ पहुंची तो देखा निर्मल के शरीर पर कई चोट के निशान थे और मेरे बेटे की हत्या की गई है और बाद में आत्महत्या का रूप देने के लिए फंदे से लटका दिया गया है। पीड़िता

□ पीड़िता ने निर्मल के शरीर पर देखें चोट के निशान, मुकदमा दर्ज करने की मांग

ने बंथरा थाने पर तहरीर देकर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। मृतक के परिवार मां कलावती और तीन बेटियां भावना(7), राधा(4) और रुचि(3)वर्ष हैं। पीएम हाऊस से निर्मल का शव माल के रामनगर गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। हत्या का मुकदमा न लिखे जाने से ग्रामीण शव रखकर प्रदर्शन करने वाले थे। तो लोगोंने इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश्वर सिंह से बात की तो उन्होंने आश्वासन दिया कि मैं पीएम रिपोर्ट आने पर मुकदमा लिख दूंगा। इस पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। उधर शव को पीएम भरने के लिए जब बंथरा पुलिस पहुंची तो बाइक नंबर ट्रेस करने पर नंबर से मृतक के परिवार को सूचना दी। साथ ही मृतक का मोबाइल फोन मृतक की पत्नी सलोनी के पास मिलने से निर्मल की हत्या करने को बल मिलता है।

राष्ट्रीय लोकदल 14 अप्रैल को मनाएगा सामाजिक समरसता दिवस

लखनऊ । आगामी 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में सामाजिक समरसता दिवस के रूप में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दिन को समाज में समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के मूल्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर मनाने की तैयारी की गई है। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में पार्टी कार्यकर्ता पूरी सक्रियता और उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित करेंगे। यह दिवस केवल एक जयंती न होकर समाज के सभी वर्गों को जोड़ने और बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। राष्ट्रीय लोकदल ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन कार्यक्रमों में सहभागिता कर सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के इस अभियान को सफल बनाएं।

महामंत्री पद के लिए आदर्श मिश्रा ने भरा पर्चा वकीलों की समस्याओं को बनाया मुद्दा

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर कचहरी परिसर में हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में पूर्व कोषाध्यक्ष अधिवक्ता आदर्श कुमार मिश्रा ने गुरुवार को महामंत्री पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। मोहनलालगंज क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में अधिवक्ता नामांकन में शामिल होने पहुंचे और मिश्रा के समर्थन में मतदान करने की अपील की। नामांकन के बाद आदर्श मिश्रा ने कहा कि अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि वे उन मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में हैं, जो वकीलों के दैनिक कार्य और भविष्य से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि लखनऊ बार एसोसिएशन एशिया की सबसे बड़ी बार एसोसिएशन है, ऐसे में पद की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। अपने अनुभव का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2013-14 में

□ कहा, लखनऊ बार एसोसिएशन एशिया की सबसे बड़ी बार एसोसिएशन है

जॉइंट सेक्रेटरी पद का चुनाव लड़ा था और वर्ष 2019 में कोषाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी। कलेक्ट्रेट परिसर की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के बाद कई मामलों की सुनवाई कलेक्ट्रेट से बाहर होने लगी है, जिससे अधिवक्ताओं को परेशानी हो रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस संबंध में शासन-प्रशासन से वार्ता कर व्यवस्था बहाल कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले एसडीएम कलेक्ट्रेट में ही उपलब्ध रहते थे, जिससे अधिवक्ताओं को सुविधा मिलती थी, लेकिन अब उन्हें दूर-दराज तहसीलों में जाना पड़ता है। इससे समय और संसाधनों की बर्बादी होती है। इस मौके पर अधिवक्ता असलम जावेद सिद्दीकी सहित कई समर्थक मौजूद रहे।

वार्ड चलो अभियान के तहत फैजुल्लागंज द्वितीय पहुंचे विधायक डा. नीरज बोरा

स्वच्छता कार्यक्रम, वरिष्ठ नागरिक सम्मान व लाभार्थियों से किया संवाद

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे वार्ड चलो अभियान के अंतर्गत लखनऊ उत्तर के विधायक डा. नीरज बोरा फैजुल्लागंज द्वितीय वार्ड पहुंचे। उन्होंने केशव नगर स्थित नागेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा मंदिर परिसर एवं आसपास स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान स्वच्छताकर्मियों को पटका व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद नागेश्वर महादेव मंदिर धर्मशाला में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ जहां विधायक डा. बोरा ने बुजुर्गों के अनुभवों को समाज की अमूल्य धरोहर बताया।

विधायक डा. बोरा ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए लाभार्थियों से संवाद किया और योजनाओं के प्रभाव का फीडबैक लिया। इस क्रम में आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों भरत कुमार द्विवेदी, आर.के. तिवारी एवं रविशंकर बाजपेई, प्रधानमंत्री सूर्य घर सोलर योजना के लाभार्थी कौशल कुमार सिंह, अरविंद शुक्ला, के.वी. त्रिपाठी, आलोक कुमार खरे तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी विजय शंकर पांडे एवं अंकित कुमार मिश्रा से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

अभियान में जयनारायण अवस्थी, विनोद बाजपेई, पार्षद प्रतिनिधि अंकुश बाजपेई, मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र मौर्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामशरण सिंह, विशाल गुप्ता, सुनील सिंह, अनिल मिश्रा, सतीश मिश्रा, किशोर प्रजापति, नवल किशोर त्रिपाठी, गुड़िया निगम, विनोद अवस्थी, सुधीर सिंह, रीता सिंह, गंगा प्रसाद तिवारी, उत्कर्ष दीक्षित, सुशील सोनी सहित पार्टी कार्यकर्ता व स्थानीय जन उपस्थित रहे।

दीवार गिरने से शिशु की मौत, मौके पर पहुंचे विधायक

लखनऊ। अलीगंज क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर चौधरी टोला के पास झोपड़ी में रह रहे गजोधर के चार माह के पुत्र रूपलाल की बाउंड्रीवॉल गिरने से दर्दनाक मृत्यु हो गई। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल शिशु को परिजन तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार में इस घटना से कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय विधायक डा. नीरज बोरा मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ित परिवार को शासन स्तर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। स्थानीय प्रशासन द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

आवास दिलाने के नाम पर बड़ी ठगी

29 महिलाओं से चार लाख छप्पन हजार वसूले

प्रभात समय संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र के ग्राम लालता खेड़ा मजरा रामदासपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर गरीब ग्रामीणों से लाखों रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। सरकारी आवास दिलाने का झांसा देकर 29 ग्रामीणों, ज्यादातर महिलाओं, से कुल 4 लाख 56 हजार रुपये वसूलने का आरोप लगाया गया है। ठगी के शिकार ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है तथा आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित महिलाओं के अनुसार, ग्राम लालता खेड़ा निवासी मिठू लाल पुत्र मैकूलाल की साली मंजू पत्नी लवकुश, निवासी मोहनलालगंज, अक्सर अपनी बहन के घर गांव आती-जाती थी। आरोप है कि इसी दौरान उसने गांव की गरीब महिलाओं और अन्य ग्रामीणों से संपर्क बढ़ाया और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान दिलाने का भरोसा दिया। महिलाओं का कहना है कि मंजू खुद को मोहनलालगंज चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अजय पांडे 'सत्यम' का करीबी बताती थी। इसी भरोसे में आकर ग्रामीणों ने आवास स्वीकृत कराने के नाम पर अलग-अलग किस्तों में उसे पैसे दे दिए। आरोप यह भी है कि मंजू के पति ने भी इस वसूली में सहयोग किया। मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायती पत्र के मुताबिक कुल 29 लोगों से 4 हजार से लेकर 85 हजार रुपये तक की रकम ली गई। पीड़ितों द्वारा दी गई सूची में सुदेवी से 7,000, रत्ता देवी से 11,000, सुनील से 4,300, अरुणा देवी से 8,500, प्रतिभा से 7,000, किरण से 6,500, बेला से 8,500, फूल माता से 85,000, संगीता से 5,000, सरिता देवी से 28,000, मिटाना से 60,000, चंदराणा से 38,000, मिथिलेश कुमारी से 49,000 रुपये सहित अन्य ग्रामीणों से रकम लेने का उल्लेख किया गया है। ग्रामीण महिलाओं का आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बावजूद किसी को भी आवास नहीं मिला। जब पीड़ितों ने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपित पक्ष द्वारा लगातार टालमटोल की जाने लगी। इतना ही नहीं, पैसे मांगने पर धमकाने और डराने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ितों का कहना है कि वे मेहनत-मजदूरी करके परिवार चलाते हैं। सरकारी योजना का लाभ मिलने की उम्मीद में उन्होंने अपनी जमा-पूंजी दे दी, लेकिन अब खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

चेयरमैन प्रतिनिधि ने जताई नाराजगी

मामले की जानकारी मिलने पर मोहनलालगंज चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अजय पांडे 'सत्यम' ने पीड़ितों से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि उनके नाम का गलत इस्तेमाल किया गया है और जिन लोगों ने उनके नाम पर वसूली की है उनसे उनका कोई लेना-देना नहीं है।उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, जो सरकारी योजनाओं के नाम पर गरीबों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं।पीड़ित ग्रामीणों ने पुलिस को भी लिखित शिकायत देकर आरोपित महिला के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा रही है।इस घटना को लेकर गांव में भारी आक्रोश है। शिकायत पत्र पर माधुरी देवी, सविता, शांति देवी, बेला, संगीता समेत दर्जनों महिलाओं और पुरुषों के हस्ताक्षर व अंगूठे के निशान मौजूद हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर उनकी मेहनत की कमाई वापस दिलाई जाए, ताकि भविष्य में कोई अन्य गरीब परिवार सरकारी योजनाओं के नाम पर इस तरह की ठगी का शिकार न हो।

शिविर लगाकर 65 किसानों का किया फार्मर रजिस्ट्री

प्रभात समय संवाददाता

बौंडी(बहराइच)। गुरुवार को तेजवापुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत चन्दनापुर सिकड़िहा स्थित पंचायत भवन में कृषि विभाग की ओर फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया।टीए-सी (प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी) अनुराग यादव ने शिविर में आये 65 किसानों का फार्मर रजिस्ट्री किया।श्री यादव ने बताया कि जिन किसानों ने अभी तक अपनी रजिस्ट्री नहीं कराई है, उनके लिए 15 अप्रैल 2026 तक सभी तहसीलों और विकास खंडों के गांवों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।अनुराग यादव ने किसानों से जल्द से जल्द अपनी फार्मर रजिस्ट्री करवाने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि पंजीकरण न कराने वाले किसान कई महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं।इन योजनाओं में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उर्वरक (खाद), बीज, कृषि रक्षा रसायन और कृषि यंत्रों पर अनुदान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, जिन किसानों के आधार और खतौनी में नाम का मिलान नहीं है, उन्हें इसे तुरंत ठीक कराना होगा। इसमें आधार के अनुसार खतौनी में नाम का संशोधन या खतौनी के अनुसार आधार में नाम का सुधार शामिल है। खतौनी में नाम सुधार के लिए किसान संबंधित तहसील में प्रार्थना पत्र देकर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 मई 2026 के बाद जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं होगी, उन्हें विभाग की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा।इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राम छबीले निषाद, लेखपाल जैकी कुमार,पंचायत सहायक सपना शुक्ला, रोजगार सेवक अब्बास अली व किसान मौजूद रहे।

जनसंवाद के जरिए दी गई योजनाओं की जानकारी

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। विकासखण्ड तेजवापुर के ग्राम गोपचंदपुर में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम/बस्ती संपर्क अभियान का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में तेजवापुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय एवं तेजवापुर मंडल अध्यक्ष विद्याधर वाजपेई ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर आत्मीय संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के प्रेरणास्त्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।वक्ताओं ने उनके आदर्शों और विचारों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए उन्हें जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्रामवासियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासपरक नीतियों की विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

प्रभात समय संवाददाता

कैसरगंज (बहराइच)। स्थानीय कंचन कान्वेंट स्कूल में एक सम्मान का समारोह का आयोजन किया गया।समारोह के तहत विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधक एम0श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय सदैव बच्चों को संस्कारवान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सतत तत्पर है। इस समारोह मे मजहर अली, गर्व सिंह, अथर्व सिंह, सचिन चौधरी, सौरभ चौधरी,, आराध्या श्रीवास्तव, साक्षी सोनी, शिखा यादव, सफिया खातून, सलोनी सिंह, मुस्कान, इल्मा खातून, मुबास्शिरा फातिमा, मरियम सादिका, तान्या सोनी, सुगरा फातिमा, शिवांश सिंह, रघुवीर मौर्य, श्रुति, हादिया नियाज़, नैन्सी कश्यप, अमरदीप यादव, सार्थक मौर्य, प्रीति, रुचि यादव, माही सिंह, रुकसार बानो, दिशा परवीन, सोनी साहू, मो0 हमज़ा, मो0अर्श, नाज़िया खातून, सपना यादव, शिवानी यादव,, पल्लवी यादव,रुचि जायसवाल,मोहित कुमार, किशन सिंह, श्रुति गुप्ता, दीपांशु कसौधन, इकरार अहमद, सत्यम यादव, मो0 अमजद, अविका, तैय्यबा खातून, देवांश सिंह, नज़म हसन, मो0 अरसलान आदि सफल छात्र छात्राओ को उपनिदेशक संगीता श्रीवास्तव, डिप्टी डायरेक्टर इंजी0 अगम स्वरूप श्रीवास्तव पंकज शुक्ला,व मो0 माजिद आदि ने सम्मानित किया।

एक किलो 18 ग्राम चरस के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

नवाबगंज,बहराइच। भारत नेपाल सीमा पर भारतीय क्षेत्र में बिक्री के लिए लाए जा रहे एक किलो 18 ग्राम चरस के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार, मादक पदार्थ अधिनियम के तहत भेजा गया जेल।

थाना प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर यादव ने बताया कि गुरुवार को सुबह मुखबिर की सूचना पर सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल 42 वीं वाहिनी व नवाबगंज पुलिस की संयुक्त घेराबंदी के दौरान भारत नेपाल सीमा पर नोमैंस लैस के करीब पिलर संख्या 647 मौलाना पुरवा गांव के पास स्थित मंदिर के पीछे नेपाली युवक जो भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर अपने गंतव्य स्थान की तरफ जाने वाला था जवानों ने पकड़ लिया।और उसकी जामा तलाशी ली गई उसके पास से एक किलो 18 ग्राम चरस बरामद हुई। पकड़े गए नेपाली युवक की पहचान सुरेन्द्र वर्मा पुत्र बुद्धा वर्मा निवासी भवनियापुर जिपरका नेपालगंज जिला बांके राष्ट्र नेपाल के रूप में हुई, पकड़े गए नेपाली युवक को मादक पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत न्यायालय के समक्ष पेश करने लिए रवाना किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर यादव ने बताया कि गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सोनकर ,हेड कांस्टेब महेन्द्र यादव,कांस्टेबल जयसिंह चौधरी,कांस्टेबल धीरज चौधरी सहित सशस्त्र सीमा बल के जवान मौजूद रहे

अनर्गल प्रलाप

भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा तथ्यों, नीतियों और विचारों से हटकर कटु, उग्र और विभाजनकारी भाषा में बदल जाए, तब समझ लीजिए वह लोकतंत्रीय चेतना को आहत करने लगी है। कहना होगा कि कंग्रेस के रार्ष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा असम की एक चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को जहरीला सांप बताने वाला बयान इसी गिरते राजनीतिक स्तर का परिचायक है। यह टिप्पणी देखी जाए तो संपूर्ण लोकतांत्रिक मर्यादाओं और सामाजिक सौहार्द पर आज प्रश्नचिह्न खड़ा करती दिखती है। असम के नीलांबाजार में दिए गए इस बयान में खड़गे ने धार्मिक संदर्भ का उपयोग करते हुए मुसलमानों से यहां तक कह दिया कि कुरान में लिखा है कि नमाज पढ़ते समय अगर कोई जहरीला सांप दिख जाए तो उसे तुरंत मार देना चाहिए। इसी तर्ज पर उन्होंने भाजपा-आरएसएस को खत्म करने की बात कही। बोले, बीजेपी-आरएसएस वह जहरीला सांप है। अगर इन्हें नहीं मारा तो जान बचाना मुश्किल हो जाएगा। यह भाषा राजनीतिक आलोचना कहीं से भी नहीं है बल्कि एक खतरनाक संकेत समाज में वैमनस्य फैलाने के संबंध में है। यदि इस पूरे विवाद को तथ्यों और जमीनी हकीकत के संदर्भ में देखा जाए, तब सच स्वयं में प्रकाशमान हो उठता है, समझ आता है कि कंग्रेस के रार्ष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का लगाया गया आरोप कितना विद्वेशपूर्ण और असत्य है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्सर अल्पसंख्यक खासकर (मुसलमान और ईसाई) विरोधी होने का आरोप लगाया जाता है, किंतु सरकारी योजनाओं और उनके लाभार्थियों के आंकड़े इस दावे को कमजोर करते हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हर विपदा के दौरान एवं सहज स्थिति में समाज जीवन के हित जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, वे इस झूठ को सिरे से नकारने के लिए पर्याप्त हैं। पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इनका लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2015 से 2024 के बीच लगभग 03 करोड़ से अधिक पक्के मकानों का निर्माण हुआ। विभिन्न राज्यों के आंकड़ों के अनुसार, इन लाभार्थियों में अल्पसंख्यक समुदाय की हिस्सेदारी कई स्थानों पर उनकी जनसंख्या के अनुपात से कहीं अधिक रही है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कई जिलों में मुस्लिम लाभार्थियों की हिस्सेदारी 25 फीसद से 35 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई, जबकि उनकी जनसंख्या लगभग 18S20% के आसपास है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन वितरित किए गए। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक महिलाओं को लाभ मिला। कई सामाजिक अध्ययनों में यह पाया गया कि ग्रामीण मुस्लिम परिवारों में उज्ज्वला योजना का प्रभाव विशेष रूप से सकारात्मक रहा, जिससे धुएं से होने वाली बीमारियों में कमी आई। किसी को नहीं भूलना चाहिए कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना एक ऐतिहासिक पहल रही है। इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 05 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज दिया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 06 करोड़ से अधिक अस्पताल उपचार इस योजना के तहत हो चुके हैं। इनमें अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी उल्लेखनीय रही है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आर्थिक रूप से पिछड़े मुस्लिम समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का प्रभाव भी उल्लेखनीय है। इस योजना के तहत अब तक 40 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से लगभग 60 फीसद लाभार्थी महिलाएं हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के छोटे व्यापारियों और कारीगरों ने इस योजना का व्यापक लाभ उठाया है। कई राज्यों में मुद्रा लोन प्राप्त करने वालों में मुस्लिम उद्यमियों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत तक पहुंची है। शिक्षा के क्षेत्र में भी केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजनाएं उल्लेखनीय हैं। प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक और मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप के तहत हर वर्ष लाखों छात्रों को सहायता दी जाती है। 2014 से 2023 के बीच 05 करोड़ से अधिक छात्रवृत्तियां वितरित की गईं, जिनमें बड़ी संख्या मुस्लिम छात्रों की रही है। इसके बाद के सालों में भी यही स्थिति देखने को मिलती है, वस्तुतः यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा सरकार की प्राथमिकता समावेशी विकास है, न कि चयनात्मक लाभ किसी को प्रदान करना है। अब एक सरल उदाहरण से भी इसे समझ लेते हैं, मान लीजिए किसी राज्य में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत है, किंतु जब सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन आते हैं, तो उनमें से 30S40 प्रतिशत लाभार्थी मुस्लिम समुदाय से होते हैं। इसका कारण यह है कि ये योजनाएं धर्म के आधार पर नहीं, आर्थिक और सामाजिक जरूरत के आधार पर लागू की जाती हैं। यानी जो गरीब है, वंचित है, वही प्राथमिकता में आता है चाहे वह किसी भी धर्म-समुदाय का ही क्यों न हो। राज्य स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। असम में हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में चल रही योजनाओं में सभी समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था और योजनाओं के वितरण में पारदर्शिता आई है, जिससे सभी वर्गों को समान रूप से लाभ मिला है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, गुजरात, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र आज आप किसी भी भाजपा शासित राज्य के आंकड़ों को उठाकर देख कसते हैं। जनसंख्या के अनुपात में सबसे अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उल्पसंख्यक विशेषकर मुसलमानों के द्वारा ही उठाया जा रहा है। इसके विपरीत, कंग्रेस का राजनीतिक नैरेटिव लंबे समय से भय और भ्रम पर आधारित रहा है। अल्पसंख्यकों में उसके द्वारा खासतौर पर मुसलमानों और ईसाईयों के बीच यह संदेश देने की कोशिश की जाती रही है कि भाजपा और संघ उनके विरोधी हैं। किंतु जब वास्तविकता में योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचता है, तो यह नैरेटिव कमजोर पड़ता है। राजनीतिक विमर्श में भाषा की मर्यादा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जहरीला सांप और मार देना चाहिए जैसे शब्द सीधे तौर पर उकसावे की श्रेणी में आते हैं। यह लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करते हैं और समाज में विभाजन को बढ़ावा देते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में इस प्रकार की भाषा बोलना पूरी तरह से अनुचित और खतरनाक है। यह सभी समझ लें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर यदि निष्पक्ष दृष्टि से विचार किया जाए, तो उसका मूल उद्देश्य राष्ट्र को संगठित करना और उसे सशक्त बनाना है।

नारी शक्ति को मिले पूरा अधिकार

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है।

नरेन्द्र मोदी

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगीहै। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं।

इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो।

अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है। संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारीशक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

ईरान करता बड़े पलटवार, अमेरिका दोस्तों से ही लाचार

डॉ. प्रभात ओझा

ऐसा मान लेना जल्दबाजी होगी कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जिसे 'दलाल' कहा था, उसी पाकिस्तान ने जंग रुकवा दी। प्रारम्भिक तौर पर अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पोस्ट से जरूर यह लगता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''मैं दो हफ्तों के लिए ईरान पर बमबारी और हमले को रोकने पर सहमत हूं। ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर से बातचीत के बाद लिया गया। उन दोनों ने मुझसे नियोजित हमलों को टालने का आग्रह किया था। राष्ट्रपति का यह निर्णय वाला बयान, उस समय सीमा के सिर्फ एक घंटा पहले आया, जिसके बाद उन्होंने 'एक पूरी सभ्यता का नामोनिशान मिटा देने' की धमकी दी थी। जो भी हो, युद्ध एक सभ्य दुनिया के लिए महापाप ही होता है। इसे शुरू करने के 40वें दिन अचानक शांति का ख्याल आ जाने के पीछे कुछ तो हुआ होगा। उस तय लाइन पर आगे बढ़ने के लिए गुरुवार 10 अप्रैल से इस्लामाबाद में बातचीत करने का निर्णय हुआ। दुनिया इससे राहत की सांस लेगी, इसके संकेत मिलने शुरू हो गये। युद्धविराम घोषित होते ही कच्चे तेल की कीमत करीब 100 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गया। शुरुआती घंटों में ही भारत के शेयर बाजार में भी रौनक देखने को मिलने लगी थी। खबर पहले भी थी कि पाकिस्तान बातचीत में मध्यस्थता कर रहा है। फर्क यह है कि अब आधिकारिक रूप से दोनों पक्षों के घोषित प्रतिनिधि आमने-सामने बैठेंगे। स्वाभाविक है कि इतनी भयावह तल्खी के बाद सहमति के लिए लेनदेन भी होगी। इस 'दलाली' में मध्यस्थ को क्या मिलेगा, यह भी देखना है। अब मध्यस्थता अथवा दलाली मुख्य प्रश्न नहीं है। प्रश्न है कि किन परिस्थितियों में संघर्ष रोकना पड़ा। शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के कहने भर से यह हो गया, प्रारम्भिक तौर पर दुनिया में इसे कोई नहीं मान रहा। अभी तो राष्ट्रपति ट्रंप की बेचारगी और लाचारी ही दिख रही है। इसे समझने के लिए युद्ध विराम पर इजराइल के पहले बयान पर नजर डालनी चाहिए। बयान के एक हिस्से में कहा गया है, इजराइल अमरीका की उस कोशिश का समर्थन करता है जिसमें यह सुनिश्चित करना है कि ईरान अब परमाणु हथियार, मिसाइल या आतंक का खतरा न बने। न अमरीका के लिए, न इजराइल के लिए, न ईरान के अरब पड़ोसियों के लिए और न ही दुनिया के लिए। दरअसल, ईरान खतरा न बने, यह तो बातचीत के रुख से तय होगा। अभी वह अपने उन पड़ोसियों के लिए खतरा जरूर है, जहां अमरीकी अड्डे हैं। ईरान ने युद्ध के दौरान साफ कर दिया था कि वह अपने 'पड़ोसी भाइयों' पर नहीं बल्कि उनके यहां अमरीकी ठिकानों पर हमले कर रहा है। यही नहीं, ईरान ने ट्रंप की ताजा धमकी के बाद मध्य एशिया के विभिन्न देशों में मौजूद महत्त्वपूर्ण पुलों, जैसे कुवैत का शेख अल अहमद अल सबाह सी ब्रिज, सऊदी अरब और बहरीन को जोड़ने वाला किंग फहद कॉजवे, जार्डन का किंग हुसैन ब्रिज, दामिया और अब्दौलन ब्रिज को निशाने पर रखा था। उसने इजराइल के परमाणु ठिकानों और मध्य एशिया की कई रिफाइनरीज पर भी हमले की योजना बना ली। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि ये सम्बंधित देश ट्रंप पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ा रहे थे। बातचीत किस दिशा में जाएगी, इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो अमरीका की लाचारी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आए होर्मुज प्रस्ताव से भी समझा जा सकता है। ट्रंप का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले सुरक्षा परिषद में होर्मुज खोलने पर बहरीन की तरफ से आया प्रस्ताव गिर गया। इस पर वोटिंग में रूस और चीन ने वीटो कर दिया। और तो और, जिस पाकिस्तान के मध्यस्थ होने की खबर है, वह मतदान से गैरहाजिर रहा। पाकिस्तान इस समय सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। परिणाम यह रहा कि होर्मुज को खुलवाने के अमरीकी इरादे को धक्का पहुंचा। बातचीत के परिणाम का इंतजार करना होगा, अभी तो अमरीका अब तक दुश्मन रहे ईरान के पुनर्निर्माण में मदद करने का भी वचन दे रहा है। चालाक और अस्थिर ट्रंप आगे क्या करें, इसका भी भरोसा नहीं। फिलहाल तो वे लाचार ही लग रहे हैं।

रिश्तों में आती दरारें व टूटती सुगंध

प्रो. मनोज डोगरा

भारतीय समाज सदियों से अपने मजबूत पारिवारिक मूल्यों, आपसी प्रेम, विश्वास और सामूहिकता के लिए जाना जाता रहा है। 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली रही है। यहां रिश्तों की डोर केवल खून के संबंधों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पड़ोसी, मित्र और समाज के हर व्यक्ति के साथ आत्मीय जुड़ाव महसूस किया जाता था। लेकिन आधुनिक समय में यह सुगंध धीरे-धीरे फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। रिश्तों में दरारें बढ़ रही हैं और विश्वास का आधार कमजोर होता जा रहा है। आज के दौर में सबसे बड़ा बदलाव जीवनशैली में आया है। भागदौड़ भरी जिंदगी, प्रतिस्पर्धा और भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ ने इनसान को आत्मकेंद्रित बना दिया है। पहले परिवार के साथ बैठकर भोजन करना, सुख-दुख साझा करना और एक-दूसरे की भावनाओं को समझना सामान्य बात थी। लेकिन अब मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने वास्तविक संवाद को काफी हद तक कम कर दिया है। लोग आभासी दुनिया में अधिक सक्रिय हैं, जबकि वास्तविक रिश्तों में दूरी बढ़ती जा रही है। रिश्तों में दरार का एक प्रमुख कारण संवाद की कमी है। जब लोग खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करते, तो गलतफहमियां जन्म लेती हैं। छोटी-छोटी बातों को दिल में रखना, अहंकार के कारण पहल न करना और अपनी गलती स्वीकार न करना- ये सभी बातें रिश्तों को कमजोर करती हैं। पहले परिवार में बुजुर्गों का मार्गदर्शन होता था, जो हर विवाद को सुलझाने में अहम भूमिका निभाते थे। आज संयुक्त परिवारों का विघटन होने से यह संतुलन भी टूट गया है। आर्थिक दबाव भी रिश्तों पर गहरा असर डाल रहा है। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और करियर की चिंता ने लोगों को मानसिक रूप से तनावग्रस्त कर दिया है। इस तनाव का प्रभाव सीधे पारिवारिक संबंधों पर पड़ता है। पति-पत्नी के बीच विवाद, माता-पिता और बच्चों के बीच दूरी, और भाई-बहनों के बीच संपत्ति को लेकर झगड़े- ये सब आज के समाज में आम होते जा रहे हैं। रिश्ते अब भावनाओं के बजाय स्वार्थ और लाभ-हानि के तराजू पर तौले जाने लगे हैं। इसके अलावा, बदलती सोच और पीढियों के बीच बढ़ता अंतर भी रिश्तों में खटास का कारण बन रहा है। नई पीढ़ी स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्पेस को प्राथमिकता देती है, जबकि पुरानी पीढ़ी पारंपरिक मूल्यों को महत्व देती है। इस सोच के टकराव से टकराव की स्थिति उत्पन्न होती है। यदि दोनों पीढियां एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें, तो इस दूरी को कम किया जा सकता है, लेकिन अक्सर ऐसा नहीं हो पाता। मीडिया और मनोरंजन के बदलते स्वरूप ने भी समाज के मूल्यों को प्रभावित किया है। फिल्मों और धारावाहिकों में दिखाए जाने वाले संबंधों की जटिलता और कभी-कभी नकारात्मक चित्रण का प्रभाव लोगों की सोच पर पड़ता है। इससे रिश्तों के प्रति लोगों की धारणा बदलती है और वे वास्तविक जीवन में भी उसी तरह के व्यवहार को अपनाने लगते हैं। हालांकि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। आज भी भारतीय समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां लोग रिश्तों को संजोकर रखते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते। जरूरत है तो केवल इस बात की कि हम अपने मूल्यों को पुनः पहचानें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। रिश्तों की सुगंध को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी है संवाद और समझ। हमें अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना चाहिए, उनकी बातों को ध्यान से सुनना चाहिए और अपनी भावनाओं को ईमानदारी से व्यक्त करना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करना और माफी मांगने की आदत विकसित करना रिश्तों को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही, हमें भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में मानवीय मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए। पैसा और सफलता जरूरी हैं, लेकिन उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं हमारे रिश्ते और उनका स्नेह। परिवार के साथ बिताया गया समय, एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना- यही असली सुख का आधार है। शिक्षा प्रणाली में भी नैतिक मूल्यों और जीवन कौशल पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है, ताकि नई पीढ़ी रिश्तों के महत्व को समझ सके। माता-पिता और शिक्षक बच्चों को केवल करियर की दिशा ही न दिखाएं, बल्कि उन्हें एक अच्छा इनसान बनने की भी प्रेरणा दें। रिश्तों के टूटने का एक बड़ा कारण संवादहीनता है। आज लोग अपने काम और व्यस्तताओं में इतने उलझ गए हैं कि एक-दूसरे के लिए समय निकालना कठिन हो गया है। मोबाइल और सोशल मीडिया ने भले ही दूरियों को कम किया हो, लेकिन वास्तविक बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव को कमजोर कर दिया है। परिणामस्वरूप, गलतफहमियां बढ़ती हैं और रिश्तों में दरार पडने लगती है। इसके अलावा अहंकार (ईगो) भी रिश्तों के टूटने का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। आज के समय में लोग अपनी बात को सही साबित करने में अधिक रुचि रखते हैं, बजाय इसके कि वे संबंधों को बचाने के लिए समझौता करें। 'मैं' की भावना 'हम' पर भारी पड़ रही है, जिससे आपसी मतभेद बढ़ते हैं और रिश्ते कमजोर होते जाते हैं। आर्थिक स्वतंत्रता भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। खासकर महिलाओं की शिक्षा और आत्मनिर्भरता ने उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाया है, जो सकारात्मक परिवर्तन है। लेकिन कभी-कभी यह स्वतंत्रता आपसी टकराव का कारण भी बन जाती है, जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात पर अड़े रहते हैं और समझौते की भावना कम हो जाती है। पीढियों के बीच बढ़ती खाई भी रिश्तों में तनाव का कारण बन रही है। बुजुर्गों की सोच और युवाओं के विचारों में अंतर होने के कारण टकराव उत्पन्न होता है। जहां एक ओर बुजुर्ग पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखना चाहते हैं, वहीं युवा आधुनिकता और स्वतंत्रता को प्राथमिकता देते हैं। इस अंतर को यदि संवाद और समझदारी से न सुलझाया जाए, तो संबंधों में दूरी आना स्वाभाविक है। रिश्तों को टूटने से बचाने के लिए सबसे आवश्यक है संवाद, समझ और सहनशीलता। हमें एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और समय निकालकर अपने प्रियजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना चाहिए। छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर, बड़े उद्देश्य यानी रिश्ते को बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

बिहार ले जा रहा था 15 लाख का गांजा, तस्कर गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर सेंट्रल पर अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13.900 किलोग्राम गांजे के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गांजे की कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई है।

जीआरपी इंस्पेक्टर ओम नारायण सिंह ने बताया कि स्टेशन परिसर और आउटर पर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही थी। इस बीच सूचना मिली कि एक संदिग्ध काफी देर से कानपुर सेंट्रल स्टेशन हैरिशगंज पुल के पास उस पार रेलवे पटरी के किनारे डीजल डिपो पानी की टंकी के पास खड़ा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक से पूछताछ की गई।

इस दौरान उसने पहले तो पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया जब उसके पास से मिले बैग की तलाशी ली गई तो उसमें 13 किलो किलो 900 ग्राम गांजा बरामद हुआ पूछताछ में उसने अपना नाम रविंद्र कुमार बताया। जो मूलतया बिहार का रहने वाला है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह अवैध गांजा लेकर बिहार जाने के लिये ट्रेन का इंतजार कर रहा था, जहां उसे ऊंचे दामों में बेचने की योजना थी। आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

मखाना उत्पादन कम लागत में अधिक लाभ देने वाली फसल : डॉ. दया एस. श्रीवास्तव

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। मखाना उत्पादन एवं प्रसंस्करण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने की अपार संभावनाएं हैं। बदलते कृषि परिदृश्य में वैकल्पिक एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है। मखाना कम लागत में अधिक लाभ देने वाली फसल है, जिससे किसान और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं। युवाओं और किसानों को मखाना उत्पादन से जोड़कर उन्हें उद्यमिता की ओर प्रेरित किया जाएगा, जिससे उनकी आय में स्थायी वृद्धि हो सके। यह बातें गुरुवार को डॉ. दया एस. श्रीवास्तव ने कही।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद गोला में मखाना उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उद्यमिता विकास विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय मखाना बोर्ड, भारत सरकार के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र-2 सीतापुर एवं उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मखाना की खेती, उसकी तकनीक, प्रसंस्करण और विपणन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। वक्ताओं ने बताया कि मखाना की खेती में कीट एवं रोगों का खतरा कम होता है, जिससे यह किसानों के लिए सुरक्षित और लाभकारी विकल्प बनती है। तालाब योजना के माध्यम से इसकी खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

इस अवसर पर मखाना तकनीक एवं प्रसंस्करण पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन किया गया तथा अंत में जागरूकता रैली निकालकर लोगों को इसके महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

औरैया में पारिवारिक विवाद से परेशान युवक टावर पर चढ़ा , छह घंटे बाद उतरा

प्रभात समय संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के विधूना कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन के टॉवर पर चढ़ गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। लगभग छह घंटे तक समझाने-बुझाने के बाद युवक सकुशल उतर आया है।

कस्बा रुरुगंज निवासी ब्रह्मानन्द पुत्र रमेश चन्द्र सुबह के समय अचानक खेतों की ओर गया और वहां खड़े ट्रांसमिशन लाइन के ऊंचे टावर पर चढ़ गया। जब आसपास के किसानों ने उसके परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे नीचे उतरने के लिए समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन युवक टावर से उतरने के लिए तैयार नहीं था। परिजनों ने बताया जा रहा है कि ब्रह्मानन्द पिछले कुछ समय से पारिवारिक और आर्थिक विवादों के कारण मानसिक तनाव में था। उसके पिता रमेश चन्द्र ने अपने दामाद सुशील कुमार निवासी बीरपुर सौरिख के नाम एक महिंद्रा ट्रैक्टर लिया था। उक्त ट्रैक्टर को ब्रह्मानन्द ही चलाता था और उसकी किश्तें भी वह खुद चुका रहा था। जब ट्रैक्टर का लोन पूरा चुक गया, तो आरोप है कि उसके बहनोई ने सौरिख थाने में ट्रैक्टर चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। इस मामले को लेकर पुलिस कई बार ब्रह्मानन्द के घर पहुंची, जिससे वह लगातार परेशान रहने लगा। वहीं यह भी बताया गया कि उसके पिता ने केसीसी, एक प्लॉट और बगिया की जमीन बेचकर आर्थिक स्थिति को संभालने का प्रयास किया, लेकिन इससे भी तनाव कम नहीं हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाल मुकेश बाबू चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे । उन्होंने बताया कि युवक को समझा बुझा कर उतार लिया गया है और उसके जीजा के साथ चल रहे विवाद को खत्म कराया जाएगा।

एम्स गोरखपुर में एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत

सेहत के प्रति जागरूक की गईं महिलाएं

प्रभात समय संवाददाता

गोरखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत हो गयी। वहां के मॉडल टीकाकरण केन्द्र पर एयरफोर्स स्थित केन्द्रीय विद्यालय की छात्राओं ने फीता काट कर टीकाकरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ विभा दत्ता के दिशा निर्देशन में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिखा सेठ, कम्युनिटी एंड प्रिवेंटिव मेडिसिन डिपार्टमेंट के अध्यक्ष डॉ आनंद मोहन दीक्षित, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश झा, एसीएमओ आरसीएच डॉ. एके चौधरी और जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नंद लाल कुशवाहा की मौजूदगी में विद्यालय की छात्राओं का टीकाकरण किया गया। इस बीच, गोरखपुर के स्वास्थ्य महकमे ने नगरीय क्षेत्र में भी मॉडल यूएचएसएनडी सत्रों के आयोजन पर जोर दिया है। इसी कड़ी में महानगर के खोखर टोले पर आयोजित यूएचएसएनडी सत्र का सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बुधवार को निरीक्षण किया।

एम्स गोरखपुर में एचपीवी टीकाकरण से पहले मिशन शक्ति के तहत स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया। इस दौरान सीएमओ डॉ. राजेश झा सहित अन्य विषय विशेषज्ञों ने महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। खासतौर से स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के बारे में जानकारी दी गयी। सीएमओ ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 से 15 साल आयु वर्ग की बच्चियों का निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। यह टीका लगवाने के लिए यूविन पोर्टल पर पहले से स्लॉट बुक कराना होगा। जिला महिला अस्पताल में टीकाकरण शुरू हो चुका है। अब स्लॉट बुक करके एम्स गोरखपुर के मॉडल टीकाकरण केन्द्र में भी एचपीवी का टीका लगवाया जा सकता है। विभाग का प्रयास है कि एचपीवी टीकाकरण की सुविधा सीएचसी स्तर तक पहुंचायी जाए।

इससे पहले खोखर टोले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर आयोजित मॉडल यूएचएसएनडी सत्र के निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. झा ने गुणवत्तापूर्ण सत्र आयोजन के निर्देश दिये। इस अवसर पर जेएसआई संस्था के एसपीओ अभिषेक समद्दार और स्थानीय प्रतिनिधि अभिषेक उपाध्याय ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। मॉडल यूएचएसएनडी के माध्यम से गर्भवती, बच्चों और किशोरियों के नियमित टीकाकरण, गर्भवती के प्रसव पूर्व जांच, पोषण परामर्श, परिवार नियोजन सेवाएं और गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग शत प्रतिशत सुनिश्चित करने का प्रयास है। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेनू सुमन और शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के समन्वयक सुरेश सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर ठगी, साइबर सेल ने 23,500 रुपये कराए वापस

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। वर्क फ्रॉम होम के नाम पर ऑनलाइन ठगी की शिकार महिला को पुलिस ने बड़ी राहत दी है। थाना कोतवाली शहर की साइबर सेल टीम ने कार्रवाई करते हुए पीड़िता के खाते में 23,500 रुपये वापस कराए।

छोटा सखौरा निवासी सोनी यादव ने 18 नवंबर 2025 को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्क फ्रॉम होम के लिए ऑनलाइन आवेदन के दौरान उससे 50 हजार रुपये की ठगी हो गई। मामले की जांच के बाद साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए आंशिक धनराशि वापस कराई। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। गुरुवार को खाते में रुपये वापस आने पर पीड़िता ने पुलिस टीम का आभार जताया। साइबर सेल ने पीड़िता को ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय भी बताए और लोगों से सतर्क रहने की अपील की।

सरकारी भूमि पर बनी अवैध मजार को बुलडोजर से किया जमींदोज

प्रभात समय संवाददाता

बिजनौर। जनपद बिजनौर के शहर थाना कोतवाली में कल बुधवार की देर रात दिल्ली हाईवे बैराज रोड पर बेशकीमती सरकारी भूमि में बाबा सैयद जलालुद्दीन के नाम से बनी अवैध मजार को प्रशासन ने बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दी़

मालूम हो कि समाजसेवी रामपाल सिंह ने आइजीआरएस पोर्टल के माध्यम से ग्राम झगड़ी बांगर के गाटा संख्या ६५१ व ६६८ में हाईवे पर अवैध रूप से मजार निर्माण किए जाने की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की थी, जिसकी जांच जिलाधिकारी ने तहसील प्रशासन को सौंपी थी। तहसील प्रशासन ने इस प्रकरण में जांच कर एसडीएम रितु रानी व तहसीलदार आशीष सक्सेना की अगुवाई में भारी पुलिस फोर्स के साथ कार्रवाई कर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

उल्लेखनीय है कि उक्त भूमि ग्राम झकरी बंगर में स्थित राजस्व अभिलेखों में बंजर भूमि दर्ज है जिसमें मजार स्थित थी ़ उक्त अवैध मजार दिल्ली मेरठ पौड़ी हाईवे के विस्तारीकरण में भी बाधा बनी हुई थी ़ उक्त मजार पर पहले जिला प्रशासन द्वारा अवैध दूसरे निर्माण किए जाने को लेकर जुर्माना भी लगाया गया था तथा 2023 में निर्माण को ध्वस्त करने के आदेश भी जिला प्रशासन द्वारा किए गए थे पर यह मामला फाइलों में दबा रहा था, जिसमें अब जाकर कार्रवाई की गई है ़ एसडीएम सदर रितु रानी ने चेतावनी दी है कि सरकारी भूमि पर किसी भी अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

क्विक न्यूज

अतिक्रमण के खिलाफ चला सख्त अभियान

गोरखपुर। नगर निगम गोरखपुर द्वारा शहर में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार के नेतृत्व में प्रवर्तन दल की टीम ने छात्र संघ चौराहा स्थित कबाड़ी गली में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान इंस्पेक्टर राम विजयपाल सहित प्रवर्तन टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे। अभियान के दौरान सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से लगाए गए अतिक्रमण को हटाया गया। टीम द्वारा मौके से दो लोहे के ठेले और एक लोहे का काउंटर जब्त किया गया। इसके साथ ही अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2000 रुपये का चालान भी काटा गया। अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए नगर निगम की ओर से एक जेसीबी, एक डीसीएम, एक ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा छह मजदूरों को लगाया गया था। टीम ने पूरे क्षेत्र में सघन जांच करते हुए अतिक्रमण हटवाया और लोगों को भविष्य में ऐसा न करने की सख्त चेतावनी दी। इसके अलावा प्रवर्तन दल द्वारा झूलेलाल मंदिर से लेकर एमपी पॉलिटेक्निक तक भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया और नियमों का उल्लंघन करने वालों से 2900 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार ने कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं अतिक्रमण न करें और शहर को स्वच्छ व व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग करें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें

मुरादाबाद जनपद में 1.50 लाख नए वोटर बने, सूची का प्रकाशन आज

मुरादाबाद। मुरादाबाद में विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की प्रकिया में मुरादाबाद जिले में करीब डेढ़ लाख नए मतदाता बनाए गए हैं,जबकि 23 हजार वोटरों के नाम सूची से हटाए गए हैं। शुक्रवार 10 अप्रैल को फाइनल सूची का प्रकाशन होगा। एसआईआर अभियान शुरू होने से पहले जिले में मतदाताओं की संख्या करीब 24.59 लाख थी। अभियान के दौरान कराए गए सत्यापन में 54 हजार वोटर मृत, एक लाख वोटर गैरहाजिर, 1.69 लाख मतदाताओं के नाम दो जगह पाए गए, जबकि सात हजार वोटरों के गणनापत्र जमा नहीं मिले। इसके बाद करीब 3.87 वोटरों के नाम सूची से हटा दिए गए। छह जनवरी को जारी अनंतिम सूची में 20,71,844 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए। वहीं मैपिंग नहीं कराने और तार्किक विसंगतियों के आधार पर 5.67 लाख वोटरों को नोटिस जारी किया गया। नोटिस के बाद साक्ष्य नहीं देने वाले और अन्य कारणों से करीब 23 हजार वोटरों के नाम सूची से हटा दिए गए। जबकि करीब डेढ़ लाख नए वोटर बनाए गए।

सड़कों के नहीं हो सके टेंडर, 71.11 करोड़ रुपये शासन को लौटाए

मुरादाबाद। मुरादाबाद मंडल की स्वीकृत सड़कों के निर्माण के लिए मार्च में शासन से पहली किश्त जारी की गई थी लेकिन अल्प अवधि में टेंडर का कार्य पूरा नहीं होने के कारण 71.11 करोड़ रुपये शासन को लौटा दिए गए। अब पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंताओं को शासन से पैसा वापस लेने के लिए शीघ्र प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए हैं।पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता एसपी सिंह के अनुसार मार्च में स्वीकृत सड़कों के लिए पहली किश्त अवमुक्त हुई थी लेकिन समय कम होने की वजह से टेंडर जारी नहीं किए गए। इसी कारण 31 मार्च से पहले अधिशासी अभियंताओं को धन सरेंडर करना पड़ा। इसमें मुरादाबाद प्रांतीय खंड ने 9.1 करोड़ रुपये, द्वितीय खंड के 11.79 करोड़, अमरोहा प्रांतीय खंड ने 19.23 करोड़, निर्माण खंड ने 3.42 करोड़ और संभल जिले ने 27.57 करोड़ रुपये वापस किए थे।इस मामले में अधीक्षण अभियंता एसपी सिंह ने शासन से 71.11 करोड़ रुपये वापस लेने के लिए 15 दिन के अंदर प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं ताकि समय से सड़कों के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया जा सके।

कूड़े का पहाड़ नहीं, अब पिकनिक स्पॉट होगी एकला बांध की पहचान

प्रभात समय संवाददाता

गोरखपुर। कूड़े का पहाड़ बन चुके जिस एकला बंधे को पर्यावरण के लिए खतरा मानते हुए एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने 3 करोड़ रुपये जुर्माना लगाने की तैयारी कर ली थी, वही स्थान अब शहर के नए पिकनिक स्पॉट के रूप में नजर आने लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गोरखपुर नगर निगम ने न केवल एकला बंधे के विशाल लिगेसी वेस्ट (पुराना कचरा) का निस्तारण कर दिया बल्कि यहां सिटी फॉरेस्ट और ईको पार्क विकसित कर इसे एक तरह का खूबसूरत राप्ती रिवर व्यू स्पॉट बना दिया है। नगर निगम ने इस पहल से एनजीटी को दिए जाने वाले जुर्माने से भी राहत पा ली।

वर्षों से कूड़े के ढेर और बदबू के लिए पहचाने जाने वाले एकला बंधे की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। कभी यहां कचरे का पहाड़ हुआ करता था, लेकिन आज यहां हरियाली की चादर बिछी है और यह स्थान एक शानदार पिकनिक स्पॉट के रूप में उभर रहा है।

गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव एकला बंधे के कायाकल्प का उल्लेख करते हुए बताते हैं कि सीएम योगी के 'स्वच्छ गोरखपुर-सुंदर गोरखपुर' के संकल्प को नगर निगम ने धरातल पर उतारते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। महापौर का कहना है कि एकला बंधे के कायाकल्प का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। शीघ्र ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों इसका लोकार्पण कराया जाएगा। अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा का कहना है कि नगर निगम गोरखपुर ने आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए एकला बांध पर जमा करीब तीन लाख टन लिगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक पद्धति से पूर्ण निस्तारण कर दिया है। कचरा हटने के बाद इस खाली हुई भूमि को 'सिटी फॉरेस्ट' और ईको पार्क के रूप में विकसित किया गया है। उनका मानना है कि एकला बांध अब न केवल शहरवासियों को शुद्ध हवा देगा, बल्कि मनोरंजन का भी बड़ा केंद्र बनेगा। यहां वाकिंग ट्रैक और फुटपाथ बनाए गए हैं, जहां लोग मॉर्निंग और इवनिंग वाक कर सकेंगे। योग और ध्यान के लिए अलग स्थान हैं। बच्चों के लिए भी सुरक्षित किड्स जोन का विकास किया गया है। एकला बंधे की सड़क को भी नगर निगम ने नवनिर्माण कर चमका दिया है। एकला बांध के कायाकल्प पर अब तक करीब 18 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

राप्ती नदी के किनारे होने के कारण यहां से विहंगम दृश्य दिखाई देता है। कूड़ा निस्तारण के बाद खाली हुई भूमि पर नगर निगम ने मियावाकी पद्धति से सिटी फॉरेस्ट का विकास किया है। साथ ही ईको पार्क के रूप में यहां बच्चों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए भी कई व्यवस्थाएं की जा रही हैं। खाली हुई जमीन के एक हिस्से पर तालाब बनवाया गया है जहां पैडल बोट का आनंद भी उठाया जा सकेगा। महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव के मुताबिक एकला बांध लिगेसी वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना का उद्देश्य न केवल गंदगी को साफ करना था, बल्कि शहर को एक ऐसा लैंडमार्क देना था जहां लोग परिवार के साथ समय बिता सकें। एकला बंधे का यह कायाकल्प 'वेस्ट टू वेल्थ' और 'ईको-टूरिज्म' का शानदार उदाहरण बना है।

बरेली के मेथोडिस्ट गर्ल्स कॉलेज के खेल मैदान को लीज पर देने में अनियमितता

हरीश अरोड़ा समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में स्थित मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज के खेल मैदान को लेकर एक बड़ी हेराफ़ेरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्राओं के खेलकूद और गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने वाली जमीन को कागजों में अनयूज्ड दिखाकर लीज पर दे दिया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) बरेली की तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने सिविल लाइंस में इमेज इलेक्ट्रानिक के मालिक हरीश अरोड़ा समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किला छावनी निवासी अमर सिंह राठौर ने कमिश्नर को शिकायत भेजी थी कि मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज का विशाल खेल मैदान धीरे-धीरे खंड-खंड कर दिया गया है। शिकायत के बाद तत्कालीन मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने त्रि-सदस्यीय जांच समिति गठित की, जिसमें अपर आयुक्त (प्रशासन) प्रीती जायसवाल, एसपी सिटी मानुष पारीक और एडीएम सिटी सौरभ दुबे शामिल थे।

जांच रिपोर्ट में पाया गया कि शिक्षा विभाग को भेजे गए दस्तावेजों में खेल मैदान का क्षेत्रफल लगभग 20 हजार वर्गमीटर बताया गया था। रिपोर्ट में अलग-अलग खेल क्षेत्रों का जिक्र था–कहीं तीन मैदान, कहीं दो वॉलीबॉल और एक बास्केटबॉल कोर्ट। इससे यह स्पष्ट हुआ कि कॉलेज में पहले विशाल खेल मैदान मौजूद था और छात्राओं ने वर्षों तक इसका उपयोग किया।

जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2009 में मिशन हास्पिटल को दी गई लीज डीड और नक्शों में एमसीआई के अफसरों ने विवादित जमीन को कॉलेज परिसर का हिस्सा माना था। चौकी चौराहे से अयूब खां चौराहे की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग के पास सैकड़ों मीटर जमीन है। जांच के दौरान कॉलेज परिसर में एक पुरानी सड़क भी मिली, जो मिशन अस्पताल की सड़क से मिलती थी। अब उसी सड़क को विवादित जमीन में शामिल कर लिया गया, जिससे अवैध कब्जे की आशंका बढ़ गई।

नायब तहसीलदार की रिपोर्ट से भी कई सवाल खड़े हुए। रिपोर्ट के अनुसार जिस जमीन को कब्जा बताया गया, उसका क्षेत्रफल रजिस्टर्ड लीज डीड से लगभग 2200 वर्गमीटर अधिक निकला। इससे यह शक और मजबूत हुआ कि जमीन की तय सीमा से अधिक हिस्से पर कब्जा कर लिया गया। जांच में यह भी पता चला कि 4 मार्च 2022 को संस्था के अधिकृत सचिव डॉ. न्यूटन एम. परमार ने कॉलेज के खेल मैदान के 610 वर्गमीटर हिस्से को अनयूज्ड बताकर क्षितिज इंटरप्राइजेज नाम की फर्म को लीज पर दे दिया। जबकि यह जमीन वर्षों से छात्राओं के खेलकूद और गतिविधियों के लिए इस्तेमाल हो रही थी। इसके अलावा, शिक्षा विभाग से अनुमति लेने का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि जमीन को लीज पर देने के लिए नक्शों और दस्तावेजों में कूटरचना की गई।

डीआरएम ने अमृत भारत स्टेशन महोबा का किया निरीक्षण

प्रभात समय संवाददाता

महोबा। भारतीय रेलवे के झांसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने गुरुवार को महोबा अमृत भारत रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्री सुविधाओं, वाटर कूलर एवं पेयजल व्यवस्था, स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, संरक्षा मानकों के अनुपालन तथा सिग्नल एवं दूरसंचार इंस्टॉलेशन की स्थिति का अवलोकन किया। मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों को आवश्यक सुधार कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए ।

मंडल रेल प्रबंधक ने वीआईपी रूम, शौचालय, जन सुविधा केंद्र, खान-पान स्टॉल, रैंप, स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म एवं सर्कुलेटिंग एरिया, रेलवे के अस्पताल का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। साथ ही स्टेशन मास्टर के कार्य ज्ञान की परख कर परिचालन एवं संरक्षा से जुड़े पहलुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान स्टेशन में लगे स्टॉल में डीआरएम ने रखे खाने के पैकेट पर तारीख न लिखी होने पर उस पर जुर्माना लगाया है। साथ ही उन्होंने खाने के सभी पैकेटों पर तारीख अंकित करने के निर्देश दिए हैं।

क्विक न्यूज

15 अप्रैल से पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं, 5 मई तक धरना–प्रदर्शन पर रोक

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन ने सेमेस्टर परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं 15 अप्रैल से शुरू होंगी, जिसके मद्देनजर परिसर में 5 मई तक किसी भी प्रकार के धरना-प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में गुरुवार को जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा अवधि के दौरान छात्रों या अन्य किसी भी व्यक्ति को परिसर में विरोध-प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी छात्र या संबंधित पक्ष को कोई समस्या या शिकायत है, तो वे अपनी बात लिखित रूप में परीक्षा नियंत्रक या कुलसचिव कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि नियमानुसार उसका समाधान किया जा सके।वहीं, परीक्षा परिणामों से संबंधित त्रुटियों के त्वरित निस्तारण के लिए छात्र सहायता प्रकोष्ठ को तत्काल प्रभाव से पुनः सक्रिय कर दिया गया है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के भूतल पर संचालित होगा।विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं कार्यदिवसों में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। आवेदन पत्र संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य से प्रमाणित एवं अग्रसारित होना अनिवार्य होगा, साथ ही आवश्यक अभिलेख संलग्न करने होंगे, ताकि मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने ग्राम चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने ल्गांव की समस्या, गांव में समाधानङ्क अभियान के तहत विकास खंड मूरतगंज के ग्राम गौसपुर में ग्राम चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने विभिन्न सरकारी योजनाओं पुष्टाहार, पेंशन, शौचालय, राशन, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास का लाभ प्राप्त कर रहे लाभार्थियों से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी छूटे हुए पात्र व्यक्तियों को शीघ्र योजनाओं से लाभान्वित किया जाय। शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में शिक्षक समय से आते हैं और शिक्षण कार्य सुचारु रूप से हो रहा है। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता भी संतोषजनक पाई गई। जिलाधिकारी ने उप कृषि निदेशक को विद्यालय में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत कराए गए कार्यों, साफ-सफाई, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं निपुण तालिका का सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी लेते हुए ग्रामीणों ने बताया कि नजदीकी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार वितरित किया तथा बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया।

देवरिया में चोरी के दो ई–रिक्शा व बैटरियां बरामद, चार गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया के थाना कोतवाली पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम की संयुक्त कार्रवाई में गुरुवार को चोरी की घटनाओं में शामिल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के दो ई-रिक्शा समेत बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैटरियां बरामद की हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनन्द कुमार पाण्डेय ने बतापा कि गिरफ्तार अभियुक्तों में प्रशांत कुमार उर्फ सन्नी निवासी परसिया अहिर, बृजमोहन प्रसाद निवासी जिरासो, सुधीर सिंह उर्फ गोल्डेन निवासी लार बउली तथा रौनक शाह निवासी हाटा (जनपद कुशीनगर) शामिल हैं। अभियुक्तों के पास से चोरी के दो ई-रिक्शा, 8 बैटरी, 4 इलेक्ट्रॉनिक मोटर, 4 कंट्रोलर, 7 चार्जर तथा 31 चोरी की बैटरियां बरामद की गईं।

गंगा नदी में छलांग लगाने वाले युवक को एनडीआरएफ ने निकाला सीपीआर देकर बचाई जान

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में गंगा नदी में 11 वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम के जल गश्त के दौरान गुरुवार को राजघाट ब्रिज के पास एक युवक ने नदी में छलांग लगा दी। टीम के सदस्यों ने युवक के छलांग लगाते ही स्थिति को भांपते हुए डूब रहे युवक को सफल रेस्क्यू कर जल से बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि एनडीआरएफ की टीमें गंगा नदी में निरंतर एवं नियमित जल गश्त करती रहती हैं। घटना के समय गंगा नदी में गश्त कर रही एनडीआरएफ टीम ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। एनडीआरएफ के बचावकर्ता ने बिना समय गंवाए गहरे पानी में छलांग लगा दी और अन्य लोगों के साथ मिलकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान पाया गया कि युवक कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। तत्पश्चात बचावकर्ताओं द्वारा तुरंत प्राथमिक उपचार एवं जीवन रक्षक उपाय जैसे पानी निकालना एवं सीपीआर प्रदान करना शुरू किया गया। आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के बाद उसे सुरक्षित रूप से घाट के किनारे लाया गया तथा उसकी स्थिति सामान्य होने तक लगातार निगरानी एवं सहायता दी गई। बचाएं गए युवक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ द्वारा किए गए इस त्वरित, साहसिक एवं अत्यंत पेशेवर बचाव ने एक बार फिर बल की उत्कृष्ट कार्यकुशलता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, सेवा और सुरक्षा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को प्रमाणित किया है। मौके पर उपस्थित लोगों ने इस वीरतापूर्ण कार्य को प्रत्यक्ष रूप से देखा और एनडीआरएफ के जांबाज बचावकर्ताओं की सराहना करते हुए उनके प्रति गहरा आभार व्यक्त किया ।

मीजल्स–रूबेला के लिए ओआरआई अभियान शुरू हर बच्चे का टीकाकरण जरूरी : जिलाधिकारी

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर में खसरा-रूबेला संक्रमण की रोकथाम को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है और प्रत्येक बच्चे तक टीकाकरण पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। हाल ही में सामने आए मामलों को गंभीरता से लेते हुए ओआरआई (आउटब्रेक रेस्पॉन्स) अभियान की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से लक्षित बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को चिन्हित कर रही हैं और अभिभावकों को जागरूक भी कर रही हैं। सभी अभिभावक अपने बच्चों का समय से टीकाकरण कराएं और स्वास्थ्य टीमों का सहयोग करें। यह बातें गुरुवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही।

जनपद में एमआर (मीजल्स-रूबेला) संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के उद्देश्य से नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कैंट से ओआरआई अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत चिन्हित क्षेत्रों में कुल 03 सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लगभग 200 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर टीमों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को विभिन्न बीमारियों से बचाव हेतु टीके लगाए जाते हैं, लेकिन खसरा-रूबेला के हालिया मामलों को देखते हुए यह विशेष अभियान आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी में बुखार के बाद शरीर पर चकत्ते उभर आते हैं, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है और समय पर उपचार न मिलने पर स्थिति बिगड़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि शासन और स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य खसरा-रूबेला जैसी बीमारियों का पूर्ण उन्मूलन करना है। इसके लिए जनसहयोग बेहद जरूरी है। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराएं। साथ ही जहां-जहां स्वास्थ्य टीमें पहुंचें, वहां सहयोग प्रदान करें, ताकि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए और जनपद के सभी बच्चों का सुरक्षा कवच मजबूत किया जा सके।

पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दो बदमाशों के पैर में लगी है। इनके पास से विभिन्न जगहों से चोरी किए हुए सामान बरामद हुआ है।

पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय शैव्या गोयल ने बताया कि थाना सूरजपुर पुलिस बृहस्पतिवार दोपहर को चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस को सूचना मिली कि मोजर बेयर गोल चक्कर के पास कुछ बदमाश बड़ी वारदात को अंजाम देने की नीयत से आ रहे हैं। पुलिस ने बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि दो बाइक पर सवार होकर संदिग्ध लोग आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वे रुकने की बजाए मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पीछा करके उन्हें घेर लिया। हड़बड़ाहट में दोनों की मोटरसाइकिल फिसल कर गिर गई। बदमाशों ने अपने आपको पुलिस से घिरता हुआ देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई।

उन्होंने बताया कि जबाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली मुकेश उर्फ मुक्के पुत्र राम नरेश मंडल निवासी जनपद मोतीहारी बिहार, आकाश पुत्र सूरजमल उर्फ सूरज निवासी ग्राम चीती दनकौर के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि इनके दो साथी देवेंद्र शर्मा निवासी जनपद मधुबनी बिहार तथा सतपाल पुत्र रामलाल निवासी ग्राम सूरजपुर उम्र मौके से भाग गए थे। कांबिंग के दौरान पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने एक-एक देसी तमंचा, कारतूस, ड्रिल मशीन, रोड और ताला तोड़ने का सामान आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि बदमाशों के पास से पुलिस ने विभिन्न घरों से चोरी की गई हुई एलइडी टीवी, बैटरी, इन्वर्टर, कुकर, खाने की प्लेट, भागोना तथा घटना मे प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद किया है।

हनुमंत कथा स्थल एवं मंगल कलशयात्रा की सुव्यवस्था को लेकर महापौर को सौंपा ज्ञापन

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के द्वारा आयोजित होने वाले बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की विशाल हनुमंत कथा को लेकर निकलने वाली मंगल कलश यात्रा को लेकर समिति के उपाध्यक्ष राजेश केसरवानी ने गुरुवार को कीडगंज स्थित महापौर कैंप कार्यालय में महापौर गणेश केसरवानी को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने बताया कि 20 अप्रैल को हनुमंत कथा मंगल कलश यात्रा सुबह 09 बजे से जमुना क्रिश्चियन इंटर कालेज मैदान मुट्ठीगंज से निकाली जाएगी, जिसमें हजारों की संख्या में भक्त गण शामिल होंगे। यात्रा मार्ग में जगह-जगह पर गड्ढे हैं उन्हें ठीक किया जाए। यात्रा मार्ग की

साफ सफाई चूने का छिड़काव और सैनिटाइजेशन किया जाए और मुख्य चौराहे पर पानी का टैंकर उपलब्ध कराया जाए। समिति के उपाध्यक्ष ने बताया कि इसके अलावा 21, 22 और 23 अप्रैल को हनुमंत कथा स्थल अरैल घाट माघ मेला क्षेत्र में नगर निगम प्रशासन द्वारा साफ-सफाई सहित अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

देवरिया में कई स्पा सेंटर में पुलिस का छापा, कई युवक– युवतियां हिरासत में

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में गुरुवार को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए बड़े स्तर पर छापेमारी अभियान चलाया। कई स्पा सेंटरों पर एक साथ दबिश दी गई, जहां से कई युवक-युवतियों को संदिग्ध परिस्थितियों में हिरासत में लिया गया।

यह अभियान सदर क्षेत्राधिकारी संजय रेड्डी और कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार राय के नेतृत्व में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में चलाया गया। पुलिस टीम ने देवरिया-गोरखपुर रोड, रुद्रपुर मोड़ समेत शहर के विभिन्न इलाकों में संचालित स्पा सेंटरों की सघन जांच की। छापेमारी के दौरान कई स्थानों पर दस्तावेजों की जांच की गई और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ भी की गई।

क्षेत्राधिकारी संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि स्पा सेंटरों में लंबे समय से अनैतिक और संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद पुलिस ने एक साथ कई स्थानों पर कार्रवाई की। इस दौरान कुछ स्पा सेंटरों में नियमों का उल्लंघन भी पाया गया, जिस पर संबंधित संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए युवक-युवतियों से पूछताछ की जा रही है और उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों के मेरठ बंद का दिखा–मिला जुला असर

प्रभात समय संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर में शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट की दुकानें सील होने के विरोध में व्यापरियों का मेरठ बंद केआह्वान का आज मिला जुला असर दिखा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से व्यापारियों को कोई राहत नहीं मिलने के बाद भी गुरुवार को भी धरनाजारी रहा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन की कार्रवाई से व्यापारियों को रोजी रोटी की चिंता सता रही है। व्यापारी तत्कालीन संबंधितअधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गुरुवार को संबंधित अधिकारियों ने सेंट्रल मार्केट को सील करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट पेश की। बताया गया कि कोर्ट ने किसीकिसी प्रकार की राहत न देते हुए अगले 15 दिन में अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए हैं। सीलिंग की कार्यवाही के विरोध में विभिन्न व्यापारी संगठनों ने गुरुवार को मेरठ शहर के बंद का आह्रवान किया है। आज मेरठ शहर मे जगह-जगह बंदी का असर दिख रखा है। व्यापारी संगठनों ने बैठकें कर इस मुद्दे पर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। सेंट्रल मार्केट की सीलिंग की कार्यवाही होने के बाद आज व्यावसायिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप हैं।

दरअसल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवासीय भूमि पर बने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सील करने के निर्देश दिये थे। इस पर बुधवार को आवास आयुक्त अनिल कुमार सिंह, एडीएम सिटी बृजेश सिंह की अगुवाई में टीम बनाकर सीलिंग की कार्रवाई की और चिह्रित 42 प्रतिष्ठानों को सील करने की प्रक्रिया पूरी की। इनमें दुकानों के अलावा बैंक, हॉस्पिटल, मंडप और स्कूल भी हैं। बुधवार को यहां वैवाहिक कार्यक्रम भी थे; लेकिन प्रशासन ने परिवारों के आग्रह को ठुकराते हुए सामान बाहर निकलवाया और सीलिंग की कार्यवाही की। इसके बाद व्यापारियों ने भारी विरोध और प्रदर्शन जारी है।

सेंट्रल मार्केट के प्रभावित व्यापारियों की मांग है कि अगर मार्केट नियमों के खिलाफ जाकर बना है तो इसमें आवास विकास के अधिकारी भी मिले हुए हैं। व्यापारियों के प्रतिष्ठानों को सील करने के साथ संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। इनका कहना है कि जिन इंजीनियरों और अधिकारियों की मिलीभगत से पिछले 30 सालों से यहां दुकानें संचालित की जा रही थी तो इसके लिए क्या दुकानदार ही जिम्मेदार हैं।

आयुष शेट्टी क्वार्टर फाइनल में, सिंधु और प्रणय बाहर

एजेंसी

निंगबो (चीन)। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए गुरुवार का दिन मिला-जुला रहा। युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि पीवी सिंधु और एचएस प्रणय अंतिम 16 के दौर में हारकर बाहर हो गए।

20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने लगातार दूसरे मुकाबले में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। उन्होंने चीनी ताइपे के खिलाड़ी ची यू जेन को 21-16, 21-12 से हराया। इससे पहले आयुष ने पहले दौर में चीन के विश्व नंबर-7 ली शी फेंग को हराकर बड़ा उलटफ़ेर किया था। अब विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष का सामना सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को चीन की विश्व नंबर-2 वांग झी यी के खिलाफ 18-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। दो महीने से अधिक समय बाद कोर्ट पर लौटी सिंधु के लिए यह वापसी सफल नहीं रही।

महिला एकल में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई, जब उन्नति हुड्डा जापान की तोमोका मियाजाकी से 17-21, 9-21 से हार गईं। पुरुष एकल में कंधे की चोट से वापसी कर रहे एच. एस. प्रणय को चीन के वेंग होंग यांग ने 12-21, 19-21 से हराकर बाहर कर दिया। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की जोड़ी को भी सीधे सेटों में हार झेलनी पड़ी।

दिन में आगे महिला युगल में प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी मुकाबले में उतरेगी।

आयुष शेट्टी की जीत कैसे हुई- आयुष ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए तेज स्मैश और नेट पर बेहतरीन नियंत्रण के दम पर मैच पर पकड़ बनाए रखी।

पहले सेट में शुरुआत में मुकाबला कड़ा रहा और स्कोर 4-4 से बराबर था, लेकिन इसके बाद ची यू जेन ने 10-6 की बढ़त बना ली। मध्यांतर के बाद आयुष ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 से बराबर किया और फिर लगातार अंक लेकर 18-14 की बढ़त के साथ सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में आयुष ने 4-0 की तेज शुरुआत की। विरोधी खिलाड़ी ने थोड़ी वापसी की, लेकिन आयुष ने 11-7 की बढ़त के साथ मध्यांतर लिया। इसके बाद आक्रामक खेल और शानदार नेट प्ले के दम पर उन्होंने बढ़त को 16-9 तक पहुंचाया और अंत में बेहतरीन बैकहैंड शॉट के साथ मैच जीत लिया।

भारतीय महिलाएं मेडल चार्ट में टॉप पर, 4 गोल्ड जीते

एजेंसी

उलानबटार। भारतीय महिला टीम ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया, चार गोल्ड, दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज़ सहित कुल 10 मेडल जीतकर मेडल चार्ट में टॉप पर रही, जिससे कॉन्टिनेंटल स्टेज पर उनका दबदबा दिखा।

हेड कोच सैंटियागो नीवा की देखरेख में, महिला टीम की हर सदस्य मेडल के साथ घर लौटी, जिससे कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन पर उनका दबदबा कायम हुआ।

बॉक्सिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट अजय सिंह की मौजूदगी में, मीनाक्षी (48किग्रा) ने मंगोलिया की नोमुंदरी एनख-अमगलन पर 5-0 की शानदार जीत के साथ दिन का पहला गोल्ड जीतकर शुरुआत की। प्रीति (54किग्रा) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, चीनी ताइपे की हुआंग सियाओ-वेन को, जो तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो 2020 ओलंपिक ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट हैं, 5-0 के एकमत फैसले से हराकर टॉप पोडियम पर जगह बनाई।

प्रिया (60किग्रा) ने फाइनल में नॉर्थ कोरिया की वॉन उन-ग्योंग पर 3-0 की शानदार जीत के साथ भारत की गोल्ड मेडल की गिनती में और इजाफा किया। अरुंधति (70किग्रा) ने भी अपनी कैटेगरी में कजाकिस्तान की बाकित सेइदिश के खिलाफ 4:1 से जीत दर्ज करके गोल्ड मेडल जीता।

भारत ने अपनी गिनती में दो सिल्वर मेडल जोड़े, जिसमें जैस्मीन (57किग्रा) एक मजबूत कैंपेन के बाद रनर-अप रहीं, जबकि अल्फियान पठान (80 किग्रा) ने भी अपने आखिरी मुकाबले के बाद सिल्वर मेडल जीता।

इस एडिशन में शामिल किसी भी देश से सबसे ज्यादा 16 मेडल पक्के करने के बाद, भारत शुक्रवार को टूर्नामेंट को मजबूती से खत्म करना चाहेगा, जिसमें दो पुरुष बॉक्सर फाइनल में होंगे।

भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए 'और अधिक करना होगा: प्रभसिमरन

एजेंसी

नई दिल्ली। इम्पैक्ट प्लेयर नियम की कई खिलाड़ियों की आलोचना के बीच पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने इस नियम का समर्थन करते हुए कहा कि इसके कारण खेले के अवसर बढ़ है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने संकेत दिया है कि यह नियम कम से कम एक और साल तक लागू रहेगा, जिसके बाद इसकी समीक्षा की जाएगी।

प्रभसिमरन ने कहा, ''एक युवा खिलाड़ी के तौर पर, मैं इसे एक अवसर के रूप में देखता हूं। कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आता, क्योंकि इसमें आप ज़्यादा जोखिम भरा क्रिकेट खेल सकते हैं। आप अपनी टीम में एक और खिलाड़ी जोड़ सकते हैं।

आप गेंदबाजी या बल्लेबाजी के लिए, किसी को भी टीम में शामिल कर सकते हैं।ङ्क

उन्होंने कहा, ल्लेकिन एक युवा खिलाड़ी के तौर पर, मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छा अवसर है। क्योंकि जब मैं यहां आया था।अब आठ साल हो चुके हैं।तो शुरुआती चार सालों में मुझे ज़्यादा मौके नहीं मिले थे। मैं बाहर बैठकर सोचता रहता था कि मुझे खेलने का मौका कैसे मिलेगा। लेकिन 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से, अब मौके बढ़ गए हैं।''

अगला कदम, ज़ाहिर है, भारत के लिए खेलना है। उनके पंजाब के साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा, जिनके साथ उनका कहना है कि ''स्वस्थ मुकाबला'' है, पहले से ही वहाँ है और प्रभसिमरन इसे मुकाबले के साथ-साथ प्रेरणा के तौर पर भी देखते हैं। राष्ट्रीय टीम में अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे कई ओपनर्स को देखते हुए, प्रभसिमरन जानते हैं कि उन्हें अभी और ज़्यादा मेहनत करनी होगी।

प्रभसिमरन ने कहा, ''इतना ज़्यादा मुकाबला है कि आपको और ज्यादा करना पड़ता है कम करना काफ़ी नहीं है। लेकिन अगर आप इसे स्वस्थ मुकाबले के नज़रिए से देखें, तो मुझे लगता है कि आप सकारात्मक रूप से आगे बढ़ेंगे।

ज्वेरेव ने 2-5 से वापसी करते हुए गारिन को हराया

एजेंसी

मोंटे-कार्लो। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बुधवार को मोंटे-कार्लो मास्टर्स में बने रहने के लिए मुश्किल से वापसी की। इस साल पहली बार क्ले पर मुकाबला करते हुए, ज्वेरेव ने आखिरी सेट में 2-5 से संघर्ष करते हुए चिली के क्वालीफायर क्रिस्टियन गारिन को 4-6, 6-4, 7-5 से हराया। एक बड़े फ़ाइनल गेम में, वर्ल्ड नंबर 3 ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए, इससे पहले कि वह आखिरकार अपने तीसरे मैच पॉइंट पर जीत पक्की कर लेता। ज्वेरेव ने अप्रैल की धूप में कोर्ट रेनियर ऋऋऋपर दो घंटे और 50 मिनट के बाद आखिरकार जीत हासिल करने के बाद ज़ोरदार आवाज लगाई।

ज्वेरेव ने कहा, ''ईमानदारी से कहूँ तो मेरा लेवल बिल्कुल भी नहीं था। लेकिन यह 11 महीनों में मेरा पहला क्ले-कोर्ट मैच था। मेरे पास तैयारी के लिए ज़्यादा समय नहीं था क्योंकि मैंने मियामी में अच्छा खेला था। मैं जीतकर खुश हूँ। यह एक मुश्किल मैच था और वह अच्छा खेल रहा है, खासकर यहाँ। दिन के आखिर में, कभी-कभी यह सिर्फ़ जीत हासिल करने के बारे में होता है।''दो बार के मोंटे-कार्लो सेमीफ़ाइनलिस्ट ज्वेरेव साल के पहले दो मास्टर्स 1000 इवेंट्स इंडियन वेल्स और मियामी के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी आखिरी चार में पहुँचे थे। हालाँकि, जर्मन खिलाड़ी गारिन के ख़िलाफ़ तीसरे सेट के बीच में सीज़न के अपने पहले ओपनिंग-राउंड से बाहर होने के लिए तैयार लग रहा था।फिर भी, 47 अनफोर्स्ड गलतियाँ करने और तीसरे सेट में 0-4 और 2-5 से पीछे होने के बावजूद, 28 साल के खिलाड़ी ने आगे बढ़ने के लिए ठीक समय पर बेसलाइन से लॉक डाउन कर दिया। ज्वेरेव का अगला मुकाबला ज़िज़ो बर्ग्स से होगा, जब बेल्जियम के खिलाड़ी ने आंद्रेई रुब्लेव को 6-4, 6-1 से हराया।

इस बीच दूसरे मुकाबले में, जोआओ फोंसेका 2005 में राफ़ेल नडाल और रिचर्ड गास्के के बाद मोंटे-कार्लो में तीसरे राउंड में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। 19 साल के ब्राजीलियन ने फ्रेंचमैन आर्थर रिंडरकनेच को 7-5, 4-6, 6-3 से हराया। दुनिया के 40वें नंबर के खिलाड़ी तीसरे राउंड में मैटियो बेरेटिनी से खेलेंगे।

मियामी के फाइनलिस्ट जिरी लेहेका ने एलेजांद्रो टैबिलो के खिलाफ 4-6, 7-6(4), 6-3 से कड़ी टक्कर में जीत हासिल की। लेहेका का तीसरे राउंड में आठवीं सीड वाले अलेक्जेंडर बुब्लिक से मुकाबला होगा। कैस्पर रूड का तीसरे राउंड का मुकाबला फ़ेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से होगा। नौवीं सीड वाले रूड ने कोरेंटिन मौटेट को 7-5, 6-3 से हराया और छठी सीड वाले ऑगर-अलियासिमे ने मारिन सिलिच को 7-6(4), 6-3 से हराकर पहली बार मोंटे-कार्लो में आखिरी 16 में जगह बनाई।

सीजफायर विफल होने की आशंका से कच्चे तेल में उबाल

- डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.5 प्रतिशत से अधिक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में सीजफायर को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) के भाव में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। ब्रेंट क्रूड आज 2.50 प्रतिशत से अधिक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी आज 3.50 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई।

पश्चिम एशिया में सीजफायर का ऐलान होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका ने ईरान की शर्तों को बेतुका और बचकाना बता दिया। दूसरी ओर, इजरायल ने बुधवार को लेबनान पर जोरदार हमला किया, जिससे करीब 250 लोगों की मौत हो जाने की खबर आई। अमेरिका के तीखे बयान और इजरायल के हमले से भड़के ईरान ने एक बार फिर हॉर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की धमकी दे दी। ईरान की ओर से कहा गया है कि सीजफायर की शर्तों का उल्लंघन हुआ है। ऐसी स्थिति में अगर हॉर्मुज स्ट्रेट से होकर कोई जहाज गुजरा, तो उसे उड़ा दिया जाएगा। ईरान की चेतावनी के बाद से ही हॉर्मुज स्ट्रेट एक बार फिर ठप हो गया है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी आ गई है।

ब्रेंट क्रूड ने आज 2.22 डॉलर प्रति बैरल की तेजी के साथ 96.97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही इसकी कीमत 97.89 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:30 बजे ब्रेंट क्रूड 2.53 डॉलर प्रति बैरल यानी 2.67 प्रतिशत उछल कर 97.28 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 2.49 डॉलर प्रति बैरल की तेजी के साथ 96.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही इसकी कीमत 98.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.31 डॉलर प्रति बैरल यानी 3.51 प्रतिशत उछल कर 97.72 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है की सीजफायर का ऐलान होने के बावजूद बुधवार को ज्यादातर समय हॉर्मुज स्ट्रेट ब्लॉक पड़ा हुआ था। सीजफायर की घोषणा होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका के तीखे बयान और ईरान के जवाबी बयान की वजह से सीजफायर के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बन गई। इसके साथ ही इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला कर हालात को और बिगाड़ दिया आज ईरान की ओर से सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल समेत खाड़ी के कई देशों में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमले होने की खबर भी आई।

सर्राफा बाजार में उछली चांदी, वायदा बाजार के भाव में आई गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर, वायदा बाजार (फ्यूचर ट्रेडिंग) में चांदी में गिरावट नजर आ रही है। आज सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान हाजिर चांदी ने बुधवार के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की छलांग लगाई है। इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में आज चांदी 4,09,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 4,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है।

दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी कल के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गई। इस उछाल के कारण ये चमकीली धातु आज 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,59,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,60,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,60,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,60,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत आज भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

पांच दिन की मजबूती के बाद बड़ी गिरावट का शिकार हो गए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में सीजफायर को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण दुनिया के ज्यादातर देशों की तरह घरेलू शेयर बाजार में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा। लगातार पांच कारोबारी दिन तक मजबूती के साथ बंद होने वाले घरेलू शेयर बाजार में आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में खरीदारी के सपोर्ट से काफी हद तक सुधार भी हुआ। हालांकि, पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई।

पूरे दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,251 अंक तक टूट गया। निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में 314 अंक तक गोता लगाया। हालांकि अंत में हुई मामूली खरीदारी के कारण ये दोनों सूचकांक निचले स्तर से कुछ हद तक रिकवर करने में सफल रहे। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.93 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पीएसयू बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्राइवेट बैंक सेक्टर के शेयरों में 0.40 प्रतिशत से लेकर दो प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल, हेल्थकेयर, आईटी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की छलांग लगा कर आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में अस्सी हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 444.68 लाख करोड़ रुपये

(अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 445.51 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 83 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में एनएसई में 2,972 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,376 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,596 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से नौ शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 243.57 अंक की कमजोरी के साथ 77,319.33 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से पहले 10 मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 110 अंक की रिकवरी कर 77,429.33 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स की कमजोरी दोबारा बढ़ने लगी।

लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर दो बजे के कुछ देर बाद यह सूचकांक 1,251 अंक लुढ़क कर 76,347.90 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 283.75 अंक रिकवर कर 931.25 अंक की गिरावट के साथ 76,631.65 अंक के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 88.30 अंक टूट कर 23,909.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 81.70 अंक सुधर कर 23,990.75 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी दोबारा बढ़ने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2:30 बजे के करीब निफ्टी 314.55 अंक फिसल कर 23,682.80 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी दिन के निचले स्तर से 92.30 अंक की रिकवरी कर 222.25 अंक की कमजोरी के साथ 23,775.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 3.56 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.72 प्रतिशत, बजाज ऑटो 1.61 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 1.54 प्रतिशत और मैक्स हेल्थकेयर 1.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, इंटर ग्लोब एविएशन 3.61 प्रतिशत, जियो फाइनेंशियल 3.25 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 2.74 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.63 प्रतिशत और एटरनल 2.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

पंचभूतों का संतुलन ही पर्यावरण का असली रक्षक : द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

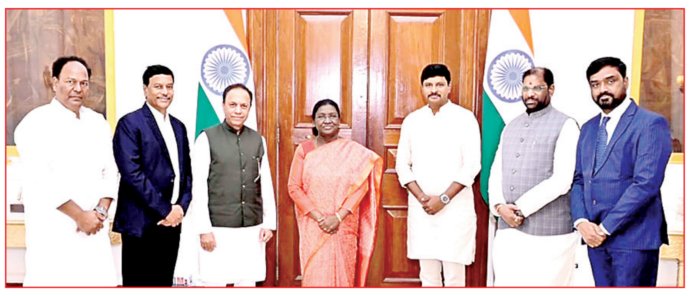

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी नागरिक को पंचभूतों के पवित्र संतुलन को समझना जरूरी है। राष्ट्रपति को आज राष्ट्रपति भवन में 'वृक्ष वेदाम 2.0' नामक पुस्तक भेंट की गई। इस पुस्तक के लेखक पूर्व सांसद एवं ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनपल्ली संतोष कुमार हैं। यह अवसर भारत की प्राचीन पर्यावरणीय चेतना और आधुनिक हरित आंदोलन के संगम का प्रतीक बना। इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य यह बताना है कि भारत की प्राचीन वेद-उपनिषद परंपरा में छिपा पर्यावरणीय ज्ञान आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। यह ज्ञान आज की आधुनिक पर्यावरणीय समस्याओं का प्रभावी समाधान पेश करता है। उन्होंने वर्तमान समय को अमृत काल (अवसरों का स्वर्ण युग) और आपद काल (संकट का समय) दोनों बताया। राष्ट्रपति ने कहा, मानवता आज लालच और अति उपभोग के कारण प्रकृति से दूर होती जा रही है और पंचभूतों आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी के पवित्र संतुलन को भूल रही है। हर मनुष्य इन पंचभूतों से निर्मित है और अंततः इन्हीं में विलीन होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ अपने इस गहरे संबंध को समझें और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। मुर्मु ने इस पुस्तक में उल्लिखित पंक्ति लाइफ फ्लोरिशेस ओनली व्हेन द अर्थ इज ग्रीन (धरती पर हरियाली ही जीवन का आधार है) का उल्लेख करते हुए आशा व्यक्त की कि ग्रीन इंडिया चैलेंज देशभर में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। इस अभियान के माध्यम से पिछले आठ वर्षों में लगभग 19.6 करोड़ पौधारोपण किया गया है, जो अभूतपूर्व है। उन्होंने आह्वान है कि प्रत्येक नागरिक प्रकृति के साथ अपने अटूट संबंध को पहचाने और पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। अभियान के अंतर्गत कई उल्लेखनीय पहल की गई हैं। इनमें तेलंगाना में आरक्षित वनों का पुनरुद्धार, पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में 20 हजार मैंग्रोव पौधों का रोपण और कोटि वृक्षार्चना (एक करोड़ वृक्षों की पूजा) कार्यक्रम शामिल हैं। इस मौके पर सांसद केआर सुरेश रेड्डी, वद्दिराजु रविचंद्र, सांसद बी. पार्थसारथी रेड्डी, पूर्व सांसद एवं ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनपल्ली संतोष कुमार, इग्नाइटिंग माइंड्स ऑर्गनाइजेशन के संस्थापक एम. करुणाकर रेड्डी, ग्रीन इंडिया चैलेंज के सह-संस्थापक संजीवुला राघवेंद्र सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि ग्रीन इंडिया चैलेंज की शुरुआत 17 जुलाई 2018 को हरा है तो भरा है के संदेश के साथ हुई थी।

इंडिगो और बीआईएएल ने आईएटीए के साथ किए अंतरराष्ट्रीय संपर्क रहित यात्रा परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो एवं बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) ने इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के सहयोग से संपर्क रहित अंतरराष्ट्रीय यात्रा परियोजना का तकनीकी परीक्षण पूरा कर लिया है। ये प्रदर्शन बेंगलुरु के केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हुआ, जिसमें टिकटिंग और बुकिंग मैनेजमेंट से लेकर बायोमेट्रिक-इनेबल्ड एयरपोर्ट यात्रा तक का पूरा ट्रैवल फ्लो शामिल था।

इंडिगो के मुताबिक भारत में अपनी तरह की यह पहल आईएटीए के उस ग्लोबल कैंपेन का हिस्सा थी, जिसके तहत दुनियाभर के खास बाजारों में इंटरनेशनल कॉन्टैक्टलेस यात्राओं के लिए अवधारणा के प्रमाण (घ्धएप) किए जा रहे हैं। इस साल की शुरुआत में इंडिगो और डिजी यात्रा फाउंडेशन ने एयरपोर्ट पर यात्रियों की कॉन्टैक्टलेस प्रोसेसिंग के लिए बायोमेट्रिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए अत्याधुनिक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई) पर आधारित इकोसिस्टम सफलतापूर्वक लागू किया था।

इंडिगो ने कहा कि इसके साथ ही उन्होंने एक ऐप-टू-ऐप इंटीग्रेशन भी किया था, जिससे उनके मोबाइल ऐप्स के बीच बोर्डिंग पास आसानी से शेयर किए जा सकें। इसी सफल मॉडल को आगे बढ़ाते हुए इंडिगो और डिजी यात्रा फाउंडेशन ने बीआईएएल के साथ मिलकर इंटरनेशनल ट्रैवल को संभव बनाने वाली इस टेक्नोलॉजी की उपयोगिता और विस्तार की क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह पूरी तरह से लागू करने की दिशा में एक अहम कदम है और डिजिटल ट्रैवल के अगले चरण की शुरुआत करता है।

इंडिगो के चीफ डिजिटल और इंफॉर्मेशन ऑफिसर नीतन चोपड़ा ने कहा कि इंडिगो में हम इनोवेशन और ग्राहक-केंद्रित समाधानों के जरिए ट्रैवल के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये सफल टेक्निकल ट्रायल डिजिटल पहचान और बायोमेट्रिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके एयरपोर्ट पर बिना किसी रुकावट और कॉन्टैक्टलेस अनुभव देने की संभावना और विस्तार की क्षमता को साफ तौर पर दिखाते हैं।

गुजरात के राजकोट में सफाई के लिए तैनात किया गया रोबोट ऑपरेटर, मैनुअल सफाई बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात के राजकोट में सफाई कर्मियों से सीवर सफाई का काम बंद कराने के लिए नगर निगम ने 'रोबोट ऑपरेटर' तैनात किया है। इस कदम से हाथ से सफाई की प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। अब सफाईकर्मी सीधे सीवर में उतरने के बजाय रोबोट चलाने का काम कर रहे हैं। इससे उनकी सुरक्षा और जीवन स्तर में सुधार होगा।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने बताया कि राजकोट नगर निगम ने 2.29 करोड़ रुपये की लागत से रोबोटिक तकनीक अपनाई है। इस तकनीक से सफाई कर्मचारियों को सीवर में उतरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब इन रोबोट्स की मदद से ऐसे स्थानों की सफाई को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां इंसानों को भेजना खतरे से भरा होता था। साथ ही नगर निगम ने सफाईकर्मियों के लिए आधुनिक सामुदायिक भवन भी बनाया है, जिसमें विवाह एवं कार्यक्रम हॉल, रसोई, भोजन कक्ष और पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यह भवन लगभग 5000 से अधिक सफाईकर्मियों के परिवारों को लाभ पहुंचाएगा।

भरूच नगर पालिका ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सफाईकर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। इसमें 108 महिला कर्मियों की जांच की गई, दवाइयां वितरित की गईं और पोषण एवं स्वच्छता पर मार्गदर्शन दिया गया। इन पहलों से साफ है कि गुजरात ने तकनीक, संरचना और सामाजिक कल्याण को जोड़कर स्वच्छता के क्षेत्र में एक संतुलित और टिकाऊ मॉडल प्रस्तुत किया है।

भारतीय सेना ने पर्यटकों को बचाने के लिए 'ऑपरेशन हिम सेतु' चलाया

एजेंसी

गंगटोक। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर ने उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे पर्यटकों को बचाने के लिए 'ऑपरेशन हिम सेतु' चलाया है। भूस्खलन के कारण उत्तरी सिक्किम में लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ है। इस स्थिति के मद्देनजर भारतीय सेना की पूर्वी कमान के तहत त्रिशक्ति कोर ने 'ऑपरेशन हिम सेतु' के साथ तेजी से प्रतिक्रिया दी है, जिसका उद्देश्य पहुंच बहाल करना और फंसे हुए पर्यटकों को बचाना है।

सेना के पीआरओ ने आज प्रेस बयान में कहा कि खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बावजूद सैनिकों ने महत्वपूर्ण मार्ग खोले हैं और बचाव को संभव बनाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का संचालन किया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), त्रिशक्ति कोर के सैनिकों के साथ समन्वय में लगातार सड़कों को साफ कर रहा है, बर्फ को साफ कर कठिन मौसम और इलाके में सड़क संपर्क बहाल कर रहा है। बचाव अभियान चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है। अब तक 135 पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि 32 हल्के वाहनों और 10 मोटरसाइकिलों को भी निकाला गया है।

बयान में कहा गया है कि भारतीय सेना, नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय में स्थिति के अनुसार मौके पर सहायता, स्वास्थ्य सेवा और निकासी प्रदान करने में सक्रिय रही है। वर्तमान में लगभग 1,000 पर्यटक लाचेन में हैं और उन्हें सुरक्षित रूप से निकाल्ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।सेना के एक अधिकारी ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण है। हमारी टीम मौके पर ही सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

कठिन और बर्फ से ढंके ऊंचे मार्गों पर नागरिक वाहनों को खींचने के लिए सेना के वाहनों का उपयोग किया गया है। स्वास्थ्य आपात स्थितियों के साथ-साथ सहायता की आवश्यकता वाले नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला गया है।

'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ट्रेलर रिलीज

एजेंसी

अभिनेता अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर के सामने आते ही दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है। फिल्म का निर्देशन प्रशांत झा ने किया है, जबकि निर्माण विनोद बच्चन और उमेश कुमार बंसल ने मिलकर किया है।

ट्रेलर में एक सीधे-साधे पहलवान युवक और बिंदास लड़की के बीच की अनोखी प्रेम कहानी को दिखाया गया है, जिसमें शादी, परिवार की उम्मीदों और करियर के बीच संतुलन बनाने की कोशिश नजर आती है। कहानी में कॉमेडी के साथ-साथ भावनात्मक पहलुओं को भी पिरोया गया है, जो दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। फिल्म के गाने 'छाप तिलक' और 'ऐ खुदा' पहले ही रिलीज होकर लोकप्रिय हो चुके हैं। गौरतलब है कि इस फिल्म की पहली कड़ी 'गिन्नी वेड्स सनी' साल 2020 में रिलीज हुई थी, जिसमें यामी गौतम और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिकाओं में थे। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' 24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हिमेश रेशमिया और सूरज बड़जात्या ने फिर मिलाया हाथ

एजेंसी

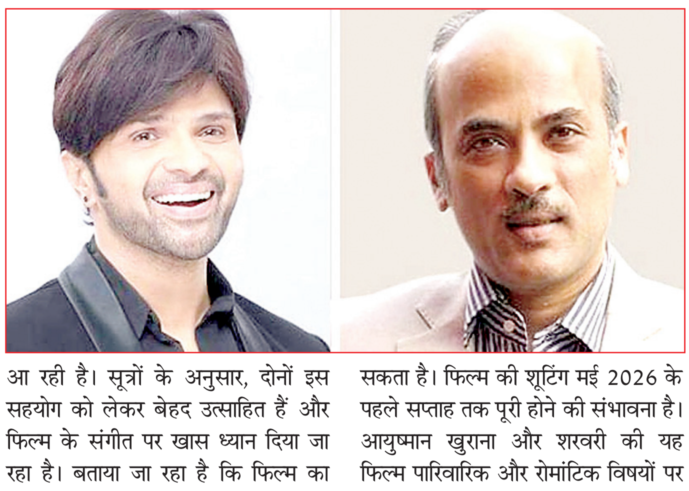

अभिनेता आयुष्मान खुराना और शरवरी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। पारिवारिक फिल्मों के लिए मशहूर निर्देशक-निर्माता सूरज बड़जात्या इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस कर रहे हैं। खबर है कि संगीतकार हिमेश रेशमिया भी इस फिल्म से जुड़ गए हैं और अपने संगीत का जादू बिखेरेंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिमेश रेशमिया ने फिल्म के लिए कुल सात गाने तैयार किए हैं, जो भावनात्मक और मधुर होने वाले हैं। इससे पहले हिमेश और सूरज बड़जात्या ने प्रेम रतन धन पायो (2015) में साथ काम किया था और यह जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। सूत्रों के अनुसार, दोनों इस सहयोग को लेकर बेहद उत्साहित हैं और फिल्म के संगीत पर खास ध्यान दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि फिल्म का शीर्षक फिलहाल 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है, जिसमें बदलाव भी किया जा सकता है। फिल्म की शूटिंग मई 2026 के पहले सप्ताह तक पूरी होने की संभावना है। आयुष्मान खुराना और शरवरी की यह फिल्म पारिवारिक और रोमांटिक विषयों पर आधारित होगी, जिसे लेकर दर्शकों के बीच खासा उत्साह है।

वामिका गब्बी के सपोर्ट में उतरे राजपाल यादव, ट्रोलिंग को बताया गलतफहमी

एजेंसी

वामिका गब्बी हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो गईं। वायरल वीडियो में दावा किया गया कि उन्होंने वरिष्ठ अभिनेता राजपाल यादव को नजरअंदाज किया। हालांकि अब खुद राजपाल यादव ने सामने आकर इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है।

राजपाल यादव ने इन वायरल क्लिप्स को लेकर कहा कि यह महज कैमरा एंगल का भ्रम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शूट के दौरान सभी कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज और दोस्ताना माहौल में काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार कैमरे की पोजिशन ऐसी होती है, जिससे दृश्य का मतलब बदलकर पेश हो जाता है। अभिनेता ने यह भी बताया कि अक्षय कुमार के साथ वायरल हुए एक वीडियो में वे सिर्फ एक सीन सेट कर रहे थे, जिसे गलत तरीके से समझ लिया गया।

अभिनेता ने अपने 25 साल के करियर का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने कभी खुद को उपेक्षित महसूस नहीं किया। उन्होंने कहा कि पूरी स्टार कास्ट के बीच कोई औपचारिकता नहीं है और सभी एक परिवार की तरह काम करते हैं।

दरअसल, सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हुए थे, जिनमें वामिका को एकता कपूर की ओर बढ़ते और मिथिला पालकर के साथ खड़े होने के दौरान हिचकिचाते हुए दिखाया गया। हालांकि बाद में यह एक मजाकिया पल निकला, लेकिन इंटरनेट पर इसे गलत तरीके से पेश कर विवाद बना दिया गया।

आदित्य रॉय कपूर: फ्लाप फिल्मों के बावजूद स्टारडम बरकरार

एजेंसी

एक्टर आदित्य रॉय कपूर कॉलिन डी' कुन्हा व्दारा डायरेक्ट की जा रही हॉरर, व्यंग्य और डार्क ह्यूमर पर बेस्ड एक अन टायटल्ड स्लैशर कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाले हैं। मेकर्स का दावा है कि पारंपरिक हॉरर शैली पर बेस्ड इस फिल्म में को एक नए और मजेदार अंदाज में पेश किया जायेगा। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म की शूटिंग मई 2026 में शुरू हो सकती है। फिल्म के लिए फिलहाल आदित्य रॉय कपूर के नाम की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि उन्हें फिल्म के लिए फायनल किया जा चुका है। जैसे ही अन्?य कलाकारों का चयन पूरा होगा, एक साथ फिल्म की स्टार कास्ट का एलान किया जायेगा। फ्लॉप फिल्मों से करियर की शुरूआत करने वाले आदित्य रॉय कपूर को महज एक फिल्म ने रातों-रात स्टार बना दिया। पिछले एक दशक में उन्होंने एक भी हिट नहीं दी लेकिन उनका स्टारडम फिर भी बरकरार है। 16 नवंबर, 1985 को पैदा हुए आदित्य रॉय कपूर, कुमुद रॉय कपूर और यहूदी मां सैलोम एरोन के बेटे हैं। उनके दादा, रघुपत रॉय कपूर, 1940 के दशक की शुरुआत में एक फिल्म निर्माता थे। उनके सबसे बड़े भाई सिद्धार्थ रॉय कपूर एक पॉपुलर फिल्म मेकर हैं जबकि भाई कुणाल रॉय कपूर आदित्य की तरह एक्टर हैं। आदित्य तीनों भाईयों में सबसे छोटे हैं। आदित्य रॉय कपूर ने मुंबई के सेंट जेवियर कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद काफी समय तक चैनल वी इंडिया में वीजे के रूप भी काम किया। उन्होंने इसी टीवी चैनल के लिए 'पकाओ' शो किया। उसके बाद 2008 में ब्रूना अब्दुल्ला के साथ बेहद लोकप्रिय शो 'इंडिया हॉटेस्ट' की मेजवानी की। तब कहीं जाकर उन्हें बॉलीवुड फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' (2009) में सपोर्टिंग एक्टर के रूप में शुरूआत करने का अवसर मिला। इसके बाद आदित्य फिल्म 'एक्शन रिप्ले' (2010) में नजर आए। उनकी अगली फिल्म ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या स्टॉरर 'गुजारिश' (2010) थी। शुरूआत फ्लॉप्स के बाद आदित्य रॉय कपूर के करियर में उस वक्त टर्निंग पॉइंट आया जब उन्हें 'आशिकी 2' (2013) में श्रद्धा कपूर के साथ लीड रोल प्ले करने का अवसर मिला। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। उसके बाद आदित्य रॉय कपूर ने रनबीर कपूर और दीपिका पादुकोण के साथ फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' (2013) की। यह उनके करियर की लगातार दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई।

इसके बाद, आदित्य ने 'दावत-ए-इश्क' (2014), 'फितूर' (2016), 'ओके जानू' (2017), 'कलंक' (2019), 'सड़क 2' (2020), 'लूडो' (2020) 'गुमराह' (2023) और 'मेट्रो३इन दिनो' (2025) सहित कई फिल्मों में काम किया लेकिन इनमें से कोई भी ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाईं। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी 'मलंग' (2020) ने अवश्य बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक बिजनैस किया। इस फिल्म में वो खूबसूरत दिशा पटानी के साथ थे। ओटीटी के लिए आदित्य ने वेब सरीज 'साइड हीरो' (2018) से शुरूआत की। उसके बाद उनकी अगली वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर' (2023) दर्शकों को काफी पसंद आई थी। इस वक्त आदित्य एक वेब सीरीज 'रक्त ब्रम्हांडः द बॉडी किंगडम' की शूटिंग में बिजी हैं।